



पेज 8

दैनिक

हिंदमतामिरर

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

पैनी नजर, पुखा खबर

राणा दग्गुबाती के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार?

8 पेज



सुप्रभात



मौसम का भिजाज

सूर्यस्त (23 अप्रैल) 6:58 बजे, सूर्योदय (24 अप्रैल) 6:15 बजे, तापमान: 34 डिग्री से. (थूप खिली रहेगी।)

शॉर्ट स्टोरी

हर हर महादेव... खुले केदारनाथ के कपाट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

केदारनाथ धाम के कपाट बुधवार सुबह 8 बजे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलने से पहले पूरे धाम को अत्यंत भव्य तरीके से सजाया गया था। करीब 51 किंचटल फूलों से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र को सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और दिव्य आभा से भर गया। इस दौरान कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। अब अगले लगभग छह महीनों तक, यानी 22 अप्रैल से नवंबर तक, केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे।

घोटाले से रोहित पवार एवं अन्य आरोपमुक्त

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई की एक विशेष अदालत ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (एमएससीबी) में 25,000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज मामलों में राकपांग (शपा) विधायक रोहित पवार और अन्य आरोपियों को बुधवार को आरोपमुक्त कर दिया। सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत ने न्यायाधीश महेश जाधव ने सभी 17 आरोपियों की आरोपमुक्त करने की अर्जी स्वीकार करते हुए मामले का निपटारा कर दिया। ईडी की ओर से दर्ज धन शोधन का यह मामला अप्रैल 2019 में ईओडब्ल्यू द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर आधारित था।

अशोक खरात के पापों की सजा मुझे क्यों?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

नाशिक के चर्चित घोटालेबाज अशोक खरात से जुड़े धोखाधड़ी और अवैध साहूकारी के मामले में एक नया और चौकाने वाला मोड़ आ गया है। शिरडी पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों में आरोपी और अशोक खरात की पत्नी कल्पना खरात ने अदालत में अपनी जमानत याचिका के दौरान खुद को पूरी तरह निर्दोष बताते हुए सारा ठीकरा अपने पति पर फोड़ दिया है। कल्पना खरात ने सीधे तौर पर साबित उठाया कि उनके पति के कुकर्मों की सजा उन्हें क्यों दी जा रही है? कल्पना खरात के वकील प्रशांत गिरी ने अदालत में दावा किया कि कल्पना किसी भी वित्तीय लेन-देन में शामिल नहीं थी। सभी बैंक खाते उनके पति अशोक खरात द्वारा संचालित किए जाते थे।

बैलार्ड एस्टेट में बनेगा नया टूरिस्ट स्पॉट

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में एसएस रामगुलाम मार्ग पर मौजूद दूसरे विश्व युद्ध के जमाने का एक बंकर एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल, आर्ट डेको कण्ठपुल पेट्रोल पंप के पीछे छिपे, इस बंकर और चौकाने वाली जमीन पर फिर से विकास का काम शुरू किया गया है। फोर्ट के एडवर्डियन नियोलजिकल लाइके में बनी यह इमारत, 75 साल से भी ज्यादा समय से जमीन के एक छंद से टुकड़े पर मौजूद है, जिसे अब एक मनोरंजन केंद्र और फूड कोर्ट के तौर पर विकसित किया जा रहा है। यह बंकर मुंबई में ऐसी गिनी-चुनी इमारतों में से एक है, जिसकी हालत अब भी अच्छी है।

हिंदमाता एंकर:

दागा सवाल, क्या अशोक खरात ने दिया 850 सीटों का सुझाव?

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राऊत ने महिला आरक्षण विधेयक के क्रियान्वयन में हो रही देरी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार और महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा द्वारा निकाले गए जन आक्रोश मोर्चे पर सवाल उठाते हुए राऊत ने कहा कि जब कानून पारित हो चुका है, तो इसे लागू करने के बजाय सड़कों पर मोर्चा निकालने का क्या तुक है? उन्होंने तंज करते हुए पूछा कि क्या प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को आरक्षण लागू करने के लिए डोनाटल ट्रंप या क्लादिमीर पुतिन से अनुमति लेनी पड़ेगी?

साइबर अपराध बेलगाम, दो साल में 1800 करोड़ से ज्यादा की ठगी, रिकवरी रेट 10% भी नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई इस समय एक नए और अदृश्य खतरे की गिरफ्त में है। जहां एक ओर शहर की रफ्तार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधों मुंबईवासियों की मेहनत की कमाई पर बड़ी सफाई से हाथ साफ कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों ने मुंबई पुलिस की कार्यप्रणाली और साइबर सुरक्षा तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले दो वर्षों में मुंबईवासियों ने साइबर ठगी में 1800 करोड़ से अधिक की भारी-भरकम राशि गंवाई है, लेकिन सबसे चौंकाने वाला पहलू इसकी वसूली दर है, जो 10 प्रतिशत के आंकड़े को भी नहीं छू पा रही है।

मामले सुलझाने की दर में गिरावट

करोड़ों रुपए गंवाने के बाद, 10% राशि ही बरामद

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि साल 2024 में मुंबई के नागरिकों को 846.71 करोड़ का चूना लगा, जिसमें से पुलिस मात्र 82.50 करोड़ ही वापस ला सकी। स्थिति साल 2025 में और भी विकराल हो गई, जब ठगी गई राशि बढ़कर 1,031.45 करोड़ तक पहुंच गई, जबकि रिकवरी केवल 110.77 करोड़ रही। साल 2026 के शुरुआती दो महीनों (फरवरी तक) का हाल भी कुछ ऐसा ही है, जहां 172.27 करोड़ गंवाए जा चुके हैं और वापसी मात्र 18 करोड़ की हुई है।

दर्ज 4,825 मामलों में से मात्र 1,542 मामलों का ही निपटारा हो सका। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि साइबर अपराधी तकनीक के मामले में पुलिस से दो कदम आगे चल रहे हैं।

गिरफ्तारी और चुनौती

साइबर अपराध की जटिलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि साल 2024 और 2025 में हजारों मामले दर्ज होने के बावजूद गिरफ्तारियों की संख्या बेहद सीमित रही है। पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती इन अपराधियों का लोकेशन ट्रैक करना है, जो अक्सर विदेशी सर्वरों या देश के सुदूर कोनों (जैसे जामताड़ा या नूंह) से संचालित होते हैं। डिजिटल साक्ष्यों को सिटाना और फर्जी दस्तावेजों पर निम्न काई व बैंक खाते खोलना पुलिस की जांच में बड़ी बाधा बन रहा है।

सावधानी ही एकमात्र बचाव

विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक रिकवरी रेट और सजा की दर में सुधार नहीं होता, तब तक जनता की जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। मुंबई पुलिस लगातार साइबर सुरक्षा अभियान चला रही है, लेकिन 1800 करोड़ की यह विशाल चपत बताती है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी हाल ही में साइबर पुलिसिंग को अत्याधुनिक बनाने और ऑटोफिशियल इंटील्लिजेंस (एआई) की मदद लेने की बात कही है, ताकि अपराधियों पर नकेल कसी जा सके।

मालेगांव बम धमाके के चारों आरोपी बॉम्बे हाई कोर्ट से बरी

धमाके का असली मुजरिम कौन?

■ 20 साल पहले हुए हमले में 37 लोगों की हुई मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मालेगांव बम ब्लास्ट में 37 लोगों के मारे जाने के करीब दो दशक बाद, बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक स्पेशल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें इस मामले के आखिरी बचे चार आरोपियों पर आरोप तय किए गए थे। इस कारण अब महाराष्ट्र के सबसे खतरनाक आतंकी हमलों में से एक के लिए कोर्ट के कटघरे में खड़ा होने वाला कोई नहीं बचा। चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर और जस्टिस थ्याम सी.चंदक की बेंच ने 30 सितंबर 2025 के स्पेशल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। अपने आदेश में स्पेशल कोर्ट ने मनोहर नरवारिया, राजेंद्र चौधरी, धन सिंह और लोकेश शर्मा पर आरोपीसी के तहत हत्या और आपराधिक साजिश के आरोप तय किए थे। साथ ही गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) एक्ट के प्रावधान भी लागू थे। इसे आदेश के खिलाफ उनकी अपीलें बुधवार को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर ली है।

31 लोगों की मौत हो गई थी

आठ सितंबर 2006 को नाशिक जिले के मालेगांव कस्बे में चार बम विस्फोट हुए थे। इनमें से तीन धमाके शुक्रवार की नमाज के बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर में हुए थे, जबकि चौथा धमाका मुशवरात चौक में हुआ था। इस घटना में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 312 लोग घायल हुए थे। मामले की शुरुआती जांच राज्य आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसने इस मामले में नौ मुस्लिम युवकों को गिराफ्तार किया था। बाद में जांच अपने हाथ में लेने वाले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने दावा किया था कि ये विस्फोट दक्षिणपंथी चरमपंथियों की करतूत थे। एनआईए ने इन चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने पहले ही नौ मुस्लिम युवकों को इस मामले में बरी कर दिया था। पिछले वर्ष सितंबर में विशेष अदालत ने इन चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिसके बाद उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया।

ठाणे में सर्विस सेंटर पर वाहनों की धुलाई पर 10 जून तक रोक

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे महानगरपालिका ने बढ़ती गर्मी के बीच जल स्तर में गिरावट को देखते हुए शहरभर के सर्विस सेंटरों पर वाहनों की धुलाई पर 10 जून तक प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक विज्ञापित के अनुसार, महापौर शर्मिला पिंपलोलकर और महानगरपालिका आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और संभावित जल संकट से बचने के लिए

प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। नगर निकाय के मुताबिक, शहर को पानी उपलब्ध कराने वाले बांधों में जल भंडार लगातार घट रहा है। भीषण गर्मी के कारण कुओं और बोरवेल का भूजल स्तर भी नीचे चला गया है। अधिकारियों ने बताया कि जल संरक्षण उपायों के तहत दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया और अन्य वाहनों की सर्विस सेंटरों पर धुलाई व सफाई पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। यह रोक 10 जून तक लागू रहेगी।

नियम तोड़ने पर लगेगा भारी जुर्माना

राव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाए। प्रशासन ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी अनावश्यक जल उपयोग से बचने, पानी के पुनर्चक्रण की व्यवस्था अपनाने और जल संरक्षण के नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। निवासियों से भी घरों में पानी की बर्बादी रोकने की अपील की गई है। इसमें पीने योग्य पानी से वाहन धोने, संगमों की जरूरत से अधिक सफाई करने और नलों को खुला छोड़ने जैसी आदतों से बचने को कहा गया है।

भाजपा का अनोखा मार्च

संजय राऊत ने भाजपा के जन आक्रोश मोर्चे को विश्व का अजूबा करार दिया। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का पहला ऐसा जुलूस होगा जहां सत्ताधारी दल खुद ही विपक्ष के खिलाफ सड़कों पर उतर रहा है, जबकि निर्णय लेने की सारी शक्ति सरकार के पास है। उन्होंने टुटकी लेते हुए कहा कि महिलाओं के आरक्षण के लिए निकाले गए इस मार्च में महिलाओं से ज्यादा पुरुषों की संख्या दिखाई दे रही है, जो अपने आप में एक विरोधाभास है।

यूनियनों ने दी 4 मई से राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी

सरनाईक ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

■ मंत्री प्रताप सरनाईक के फैसले के सपोर्ट में उतरे बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख और सांसद संजय राऊत

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में 1 मई से ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का बुनियादी ज्ञान अनिवार्य होगा। कैबिनेट मंत्री प्रताप सरनाईक ने घोषणा की कि मराठी न जानने वाले ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। 1 मई से लागू होने वाले इस नियम के खिलाफ महाराष्ट्र भर में ऑटो और टैक्सी चालकों ने 4 मई से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। महाराष्ट्र परिवहन विभाग के नए नियमों के अनुसार, जो चालक मराठी भाषा की परीक्षा में विफल होंगे, उनके लाइसेंस और परमिट रद्द किए जा सकते हैं। इसको लेकर महाराष्ट्र भर में ऑटो और टैक्सी चालकों में भारी रोष है। यूनियन का दावा है कि मुंबई महानगर क्षेत्र के लगभग 75% ड्राइवर (लगभग 15 लाख) हिंदी भाषी हैं, और इस नियम से लाखों लोगों की रोजी-रोटी छिन्न का खतरा पैदा हो गया है।

व्यों जारी किए गैर-मराठी भाषी लोगों का लाइसेंस?

नवी मुंबई रिक्षा टैक्सी संयुक्त कृति समिति के महासचिव विजय पाटिल ने कहा कि परिवहन विभाग ने गैर-मराठी भाषी लोगों को लाइसेंस जारी क्यों किए? अब जब बेरस चालकों ने परमिट पाने के लिए काफी बड़ी रकम खर्च कर दी है, तो विभाग अचानक उनके खिलाफ हो गया है। यह अन्याय है। समिति के अध्यक्ष शशांक शरद राव ने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र में 75 प्रतिशत ऑटो और टैक्सी चालक मुख्य रूप से हिंदी बोलते हैं, और महाराष्ट्र के बाकी हिस्सों में यह आंकड़ा 50 से 60 प्रतिशत होना चाहिए। यह कदम अनावश्यक रूप से उनकी आजीविका को खतरे में डालता है।

24 अप्रैल को बैठक

नीति की रूपरेखा तैयार करने के लिए शुक्रवार को सुबह 11 बजे परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में परिवहन आयुक्त और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। बैठक का मुख्य एजेंडा मराठी भाषा के अनिवार्य उपयोग का रोडमैप तैयार करना, इसके उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई और चालकों के लिए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना पर चर्चा होगी।

महाराष्ट्र में मराठी भाषा अनिवार्य होनी चाहिए: रितेश देशमुख

मुंबई में टैक्सी और ऑटो चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य करने के सरकार के फैसले का शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने स्वागत किया। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि यदि कोई इस फैसले का विरोध कर रहा है, तो वह ठीक नहीं है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों ने अपनी स्थानीय भाषाओं को अनिवार्य किया है, तो महाराष्ट्र में मराठी क्यों नहीं? यदि आप यहां रोजगार के लिए आए हैं और यहाँ पैसा कमा रहे हैं, तो आपको स्थानीय भाषा आनी ही चाहिए।

जेनेलिया-रितेश देशमुख बने लालपरी के ब्रांड एंबेसेडर

बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख को महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन और परिवहन विभाग ने आधिकारिक तौर पर अपना ब्रांड एंबेसेडर घोषित किया है। बुधवार को मंत्रालय में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान रितेश और जेनेलिया को अगले पांच वर्षों के लिए रोज सप्टी कैपेन का चेहरा बनाया गया। इस अनुबंध हस्तांतरण समारोह में राज्य के डिजिटल नेता मौजूद रहे, जिनमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक शामिल थे।

वैष्णो देवी मंदिर के चढ़ावे में चढ़ रही 95%चांदी निकली नकली

हिंदमाता नेटवर्क @ जम्मू

सरकारी टकसाल में हुई एक जांच ने बताया है कि माता वैष्णो देवी मंदिर में जिसे भक्त चांदी समझकर चढ़ा रहे थे, वह दरअसल एक जहरीली धातु का ढेर था। इस खुलासे के बाद से ही मंदिर प्रशासन और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठने लगी हैं। श्री माता वैष्णो देवी ब्राइन बोर्ड ने हाल ही में मंदिर में जमा हुए लगभग 20 टन चांदी के चढ़ावे को गलत और सुरक्षित रखने के लिए सरकारी टकसाल भेजा

टकसाल में हुआ बड़ा खुलासा

था। अधिकारियों को उम्मीद थी कि इस मात्रा से मौजूदा बाजार भाव के हिसाब से लगभग 500 से 550 करोड़ रुपए की चांदी प्राप्त होगी। लेकिन जब इसकी शुद्धता की जांच करी गई, तो सड़कें पैरों तले जमीन खिसक गई। टकसाल के एक्सपर्ट्स ने पाया कि पूरे भंडार की असल कीमत केवल 30 करोड़ रुपए के आसपास ही है। इतनाका मतलब चांदी की जगह नकली धातु चढ़ाई गई।

वसई तहसील में रिश्वत कांड

एसीबी की कार्रवाई में एंजेंट गिरफ्तार, अधिकारी फरार, तहसील कार्यालय में बड़ा खुलासा

महाराष्ट्र के वसई तहसीलदार कार्यालय में एक बार फिर रिश्वतखोरी का गंभीर मामला सामने आया है, जिससे राजस्व विभाग में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार पर सवाल खड़े हो गए हैं। एंटी-कorrप्शन ब्यूरो की ठाणे यूनिट ने मंगलवार दोपहर कार्रवाई करते हुए एक निजी व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार किया, जबकि एक वरिष्ठ राजस्व अधिकारी मामले के बाद से फरार बताया जा रहा है। एसीबी की जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अनिल प्रभाकर चौबल के रूप में हुई है। उसे उस समय पकड़ा गया जब वह कथित रूप से 7 लाख की रिश्वत ले रहा था। यह कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वसई क्षेत्र में जमीन से जुड़े एक मामले को निपटाने के लिए अवैध रूप से पैसे की मांग की जा रही थी।

जमीन से जुड़े काम के लिए मांगी गई रिश्वत

मामला जमीन पर बने अवैध निर्माण को गिराने से रोकने और भूमि के नॉन-एग्रीकल्चरल कन्वर्जन से जुड़े दस्तावेजों को आगे बढ़ाने से संबंधित है। शिकायत के अनुसार, शुरुआत में इस काम के लिए 40 लाख की मांग की गई थी, जिसे बाद में बातचीत के बाद घटाकर 7 लाख कर दिया गया। एसीबी की जांच में यह भी सामने आया है कि इस पूरे मामले में वसई तहसील कार्यालय के अपर तहसीलदार (नॉन-एग्रीकल्चरल डिवीजन) विनोद बालकृष्ण धोत्रे की भूमिका भी संदिग्ध है। हालाँकि, कार्रवाई शुरू होने के बाद वह मौके से फरार हो गए और अब तक उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। एंटी-कorrप्शन ब्यूरो की टीम ने ट्रैप कार्रवाई के दौरान अनिल चौबल को पैसे लेते हुए गिरफ्तार किया और मामले से जुड़े सबूत एकत्र किए। शुरुआती जांच में यह संकेत मिले हैं कि यह रिश्वतखोरी का नेटवर्क केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं था, बल्कि इसमें सरकारी स्तर पर भी कुछ लोगों की सलिप्तता हो सकती है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार

तीन मोटरसाइकिलें बरामद, कई मामलों का खुलासा

आचोले पुलिस की बड़ी कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ नालासोपारा

आचोले पुलिस ने शहर में सक्रिय वाहन चोरों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो शांति आरोपियों को धर दबोचा है, जिनके पास से चोरी की तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इन वाहनों की कुल बाजार कीमत लगभग 95,000 रुपए आंकी गई है। वाहन चोरी का यह मामला 1 अप्रैल 20206 को तब प्रकाश में आया जब वसई पूर्व के एवरशाइन इलाके से राजुलाल जम्मुराम तेली (37 वर्ष) की हॉन्डा एफिट्वा (क्रमांक: एमएच 48 सीपी 2262) चोरी हो गई थी। इस घटना के बाद आचोले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

सीसीटीवी और सूचना से मिली सफलता

अचोले के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजितकुमार पवार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और अपने गुप्त सूचना तंत्र को सक्रिय किया। 19 अप्रैल को मिली एक सटीक जानकारी के आधार पर पुलिस ने वसई पूर्व के मधुवन इलाके में जाल बिछाकर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। आरोपियों से कड़ी पूछाछा के दौरान आरोपियों ने वाहन चोरी की बात स्वीकार की।

शिक्षकों पर अतिरिक्त कार्यभार का विरोध

गैर-शैक्षणिक काम से मुक्त करने की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक कार्यों का बोझ डाले जाने के खिलाफ शिक्षक संघों ने उल्हासनगर में विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने मांग की कि उन्हें बीएलओ, जनगणना और अन्य प्रशासनिक कार्यों से मुक्त किया जाए, ताकि वे पूरी तरह से अध्यापन पर ध्यान दे सकें। इस मुद्दे को लेकर महाराष्ट्र राज्य शिक्षा क्रांति संगठन और 'ए-स्ट्रेट' संगठन द्वारा महानगरपालिका में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में महापौर, उप आयुक्त और अन्य अधिकारियों के समक्ष शिक्षकों की समस्याएं रखी गईं। शिक्षक नेताओं ने बताया कि अतिरिक्त प्रशासनिक कार्यों के कारण शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। उन्होंने शिक्षकों का कार्यभार कम करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। इस पर शिवसेना गट नेता अरुण आशान ने आश्वासन दिया कि आवश्यक कर्मचारियों की भर्ती कर शिक्षकों को अतिरिक्त कार्यों से राहत दी जाएगी।

बीजेपी की नौटंकी पर कांग्रेस खफा

●नसीम खान बोले—सरकार गुमराह कर रही, देशव्यापी प्रदर्शन की तैयारी

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नसीम खान ने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण विधेयक को लेकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी सरकार के सच्चाई उजागर करने के लिए देशव्यापी प्रदर्शन करेगी। मंगलवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भाजपा नीत केंद्र कांग्रेस को महिला विरोधी दिखाने की भी कोशिश



के संसदीय चुनावों से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित संविधान 131वां संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में 17 अप्रैल को पारित नहीं हो सका था।

कर रहा है। खान ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 में कांग्रेस के समर्थन से लोकसभा में पारित हुआ था लेकिन भाजपा ने इसे संविधान संशोधन प्रक्रिया से जोड़कर भ्रम पैदा किया। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 की सच्चाई उजागर करने के लिए देशव्यापी प्रदर्शन करेगी। लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए कांग्रेस ने ऐसे कदमों का विरोध किया।

भाजपा की मंशा पर सवाल

भाजपा की मंशा वास्तव में महिलाओं को आरक्षण देने की नहीं थी, बल्कि उसने अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए संविधान संशोधन को आगे बढ़ाने की कोशिश की। लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए कांग्रेस ने ऐसे कदमों का विरोध किया।

महिला सुरक्षा और प्रतिनिधित्व पर सवाल

कांग्रेस और अन्य दलों ने ऐसे प्रयासों का विरोध किया, क्योंकि वे लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा को घेरा महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए खान ने सवाल किया कि क्या पार्टी ने महिलाओं पर अत्याचार रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं या केंद्र और राज्यों में महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया है उन्होंने कहा कि भाजपा का रुख विरोधवासी है। वह महिला सशक्तिकरण की बात करती है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने में विफल है। महिला आरक्षण और संवैधानिक मुद्दों पर मोदी सरकार के बावहार बदलते झूठे रुख को उजागर करने के लिए कांग्रेस देशव्यापी प्रदर्शन करेगी।

‘युवाशक्ति जागर मोर्चा’ का शुभारंभ, मुंबई से यात्रा का आगाज

युवाओं को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने के लिए राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे/नवी मुंबई

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित ‘युवाशक्ति जागर मोर्चा’ के राज्यव्यापी दौरा का मुंबई से मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में जोरदार शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि इस पहल के माध्यम से राज्य के युवाओं को राष्ट्रनिर्माण के उद्देश्य से जोड़ने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए एक व्यापक अभियान की शुरुआत हुई है।



युवा नेतृत्व और उद्देश्य पर जोर

इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्णराज महाडिक ने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण मंच पर सबसे युवा सोच और ऊर्जावान नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने यात्रा के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि भाजपा युवा मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश की ओर से आयोजित यह अपने प्रकार का पहला उपक्रम है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा युवाओं की खातिर लिए गए लोककल्याणकारी निर्णय, इस यात्रा के माध्यम से राज्य के कोने-कोने तक पहुंचाए जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप सक्षम और प्रभावी युवाशक्ति का संगठन खड़ा करना ही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

जागरूकता और एकजुटता का संदेश

‘जागर युवाशक्ति का, सशक्त राष्ट्रनिर्माण का’ यह संदेश देने वाली यह यात्रा राज्य के युवाओं को एकजुट करते हुए उन्हें विकास, नवाचार और राष्ट्रहित के विचारों से जोड़ने का काम करेगी। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्णराज महाडिक के नेतृत्व में यह यात्रा महाराष्ट्र के हर हिस्से तक पहुंचेगी और युवाओं में जागरूकता पैदा कर उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का अहसास कराएगी, ऐसा विश्वास प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने व्यक्त किया।

मान्यवरों की उपस्थिति

इस कार्यक्रम में मंत्री जयकुमार गोरे, मंत्री अतुल सावे, मंत्री नितेश राणे, राज्यसभा सांसद वनंजय महाडिक, राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण, भाजपा प्रदेश महासचिव तथा भाजयुमो के प्रदेश प्रभारी सुनील राणे, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन सहित अन्य मान्यवर, भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

तारापुर एमआईडीसी में क्लोरीन गैस रिसाव पर माॅक ड्रिल

आपदा से निपटने के लिए पालघर प्रशासन ने कसी कमर

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

पालघर जिला प्रशासन ने हाल ही में तारापुर एमआईडीसी स्थित ‘सुपरफॉर्म केमिस्ट्रीज’ में क्लोरीन गैस रिसाव की एक काल्पनिक स्थिति पर आधारित ऑफ-साइट माॅक ड्रिल का सफल आयोजन किया। रासायनिक दुर्घटना (आपातकालीन योजना, तैयारी और प्रतिक्रिया) नियम 1996 के तहत आयोजित इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारी और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को परखना था।

विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी

इस बड़े पैमाने के अभ्यास में पुलिस, अग्निशमन दल, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस, स्वास्थ्य विभाग, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और परिवहन विभाग ने एकजुट होकर हिस्सा लिया। एसीबी विधायक नरखे और विकास नाईक ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली, जबकि अग्निवाहक काकड ने प्रभावित क्षेत्र में सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया। लंकेश एम. गोतम और अजय राजपुत के नेतृत्व में ‘रेड जोन’ (अति प्रभावित क्षेत्र) से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अग्निशमन व राहत का कार्य वैभव तोंडे और एनडीआरएफ कमांडर पुनिया के नेतृत्व में गैस रिसाव को नियंत्रित करने और राहत कार्य का अभ्यास किया गया।

एंबुलेंस के इंतजार में तड़पते मरीज

उल्हासनगर मध्यवर्ती अस्पताल में व्यवस्था पर उठे सवाल

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

मध्यवर्ती अस्पताल में एंबुलेंस की कमी गंभीर समस्या बनती जा रही है। ताजा मामले में कर्जत पुलिस द्वारा लाई गई आठ माह की गर्भवती महिला को मुंबई के जे.जे. अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन एंबुलेंस के लिए करीब छह घंटे तक इंतजार करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, महिला मानसिक रूप से भी अस्वस्थ थी और दोपहर करीब पौने दो बजे अस्पताल लाई गई थी। डॉक्टरों ने तत्काल उसे उच्च इलाज के लिए रेफर किया, लेकिन 102 और 108 एंबुलेंस सेवाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो सकीं। बार-बार संपर्क के बावजूद केवल जानकारी ली जाती रही। अंततः सिविल सर्जन को सूचित करने के बाद शाम करीब सात बजे एंबुलेंस की व्यवस्था हो पाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। पूर्व में भी एंबुलेंस न मिलने से एक गंभीर मरीज की मौत हो चुकी है। महंगी निजी एंबुलेंस और मनपा की जटिल प्रक्रिया के कारण मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस घटना के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।



तत्काल उपचार और लॉजिस्टिक सहयोग

गैस से प्रभावित हुए (काल्पनिक) घायलों को तुरंत एम्बुलेंस के जरिए ‘आशिवार्द’ और ‘दुर्गा’ अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉ. पराम कुलकर्णी और डॉ. दिलीप बिलौलीकर की चिकित्सा टीमों ने त्वरित उपचार का प्रदर्शन किया। इस पूरी ड्रिल के दौरान टीआईएमए के डी. के. राऊत और अरुण सावंत ने आस्थायिक लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की। यह माॅक ड्रिल प्रशासन की सज्जता को दर्शाती है, जिससे भविष्य में किसी भी वास्तविक औद्योगिक दुर्घटना के समय जान-माल के नुकसान को न्यूनतम करने में मदद मिलेगी।

मुंब्रा पार्षद सहर शेख का ‘मराठी’ बोलने से इनकार

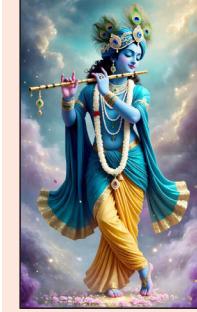
हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे के मुंब्रा से एआईएमआईएम की टिकट पर जीतकर चर्चा में आई पार्षद सहर शेख एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। फर्जी जाति प्रमाणपत्र के आरोपों का सामना कर रही सहर शेख ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। हालाँकि, इस दौरान उन्होंने मराठी में बोलने से साफ इनकार कर दिया, जिससे महाराष्ट्र की राजनीति में भाषाई अस्थिरता को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो सकता है। सहर शेख ने दो टूट शब्दों में कहा कि मैं मराठी बोलने में सहज नहीं हूं। आप मुझे भी भाषा बोलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सहर शेख के पिता युनुस शेख ने मीडिया के सामने मूल ओबीसी प्रमाणपत्र पेश किया। उन्होंने दावा किया कि यह प्रमाणपत्र तहसीलदार कार्यालय द्वारा वैध तरीके से जारी किया गया है। सहर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ‘फरार’ बताकर बदनाम करने की कोशिश की गई, लेकिन वे इस लड़ाई को कानूनी तौर पर लड़ेंगे। उन्होंने शिकायतकर्ता को कोर्ट में देख लेने की चुनौती भी दी। जब पत्रकारों ने उनसे महाराष्ट्र की राजभाषा मराठी में बोलने का आग्रह किया, तो सहर शेख ने कहा कि उनकी मराठी कमजोर है और वे नहीं चाहतीं कि कोई गलत शब्द बोलने से विवाद हो। उन्होंने कहा कि वे मराठी का सम्मान करती हैं, लेकिन किसी के दबाव में आकर नहीं बोलेंगी।



शॉर्ट स्टोरी

भायंदर में सजेगा बाबा श्याम का दरबार



हिंदमाता संवाददाता @ भायंदर

श्री श्याम महोत्सव का आयोजन 25 अप्रैल 2026 शनिवार को श्री सत्येश्वर सालासर हनुमान मंदिर आरपनोी पार्क, भायंदर पूर्व में किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सवा चार बजे से होगी। जिसमें श्याम बाबा को रिक्षाने के लिए सुसज्ज भजन की रसधारा बहेगी। प्रभु श्री श्याम के दरबार में बड़े पैमाने पर भक्त सहपरिवार हाजिरी लगाने वाले है।सीए सुमित अग्रवाल ने बताया बाबा के दरबार में मन चाही इच्छा पूर्ण होती है भक्तों को मन की शांति मिलती है। इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य दरबार, भव्य श्रृंगार, अखंड ज्योत, छप्पन भोग एवं महाप्रसाद का आयोजन रहेगा। साथ ही सुसज्ज भजन संघा में अभिषेक नामा जयपुर यश बियाल, राकेश बाबलिया, गोविंद शर्मा, राधिका डालमिया, नवीन शर्मा एवं हितेन शर्मा अपनी प्रस्तुतियां देंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बाबा श्याम का आशीर्वाद लेने का आग्रह किया है।

राम वन गमन व भरत मिलाप प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावुक किया

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

कल्याण पश्चिम स्थित परदेसी ग्राउंड में उत्तर विकास सामाजिक संस्था (रंज.) द्वारा आयोजित तुलसीकृत श्रीरामचरितमानस कथा में मंगलवार को राम वन गमन और भरत मिलाप प्रसंग का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। अयोध्या के प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य गायत्री नंदन महाराज ने सजीव चित्रण से पूरा पांडाल भाव-विभोर हो उठा। कथा के दौरान महाराज ने बताया कि माता कैकेयी के वरदान के कारण जब भगवान श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मिला, तब उन्होंने पिता की आज्ञा को सर्वोपरि मानते हुए सहज भाव से वन गमन स्वीकार किया। उनके साथ माता सीता और लक्ष्मणा भी वन को प्रस्थान करते हैं, जिससे अयोध्या शोक में डूब जाती है। भरत मिलाप प्रसंग सुनाते हुए महाराज ने कहा कि भरत ने राज्य दुकारकर राम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित किया और सेवक भाव से शासन चलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर चंददेवदास जी की उपस्थिति रही। कथा के सफल आयोजन में संस्था के पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा का श्रवण कर रहे हैं।



वसई-विरार में दो नए उद्यान

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

वसई-विरार शहर में विकास को गति देने हुए दो अत्याधुनिक उद्यानों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। सांसद डॉ. हेमंत सावरका के प्रयासों से करीब 5 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने इसकी जानकारी देते हुए इसे शहर के सौंदर्यीकरण और नागरिकों के मनोरंजन के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बताया कि नालासोपारा क्षेत्र के विधायक राजन नाईक के अनुरोध पर यह प्रस्ताव जिला नियोजन समिति के समक्ष रखा गया था, जिसे वर्ष 2024-25 की योजना के तहत स्वीकृति मिल चुकी है। परियोजना के अंतर्गत बौद्धिज स्थित साइंस गार्डन के विकास पर 2.5 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जहां बच्चों के लिए वैज्ञानिक उपकरण स्थापित किए जाएंगे। वहीं, नरवीर विमाजी आप्पा उद्यान को तकनीकी कारणों से नए आरक्षित भूखंड पर स्थानांतरित कर 2.5 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा, जिसमें ओपन जिम और आधुनिक खेल सुविधाएं होंगी। यह प्रस्ताव 23 अप्रैल 2026 की महानगरपालिका महासभा में अंतिम मंजूरी के लिए रखा जाएगा। उम्मीद है कि जल्द ही कार्य शुरू होगा।

सीबीडी बेलापुर में होमलेन का नया स्टूडियो

हिंदमाता संवाददाता @ नवी मुंबई

एआई-इनेबल्ड होम इंटीरियर ब्रांड होमलेन ने सीबीडी बेलापुर में अपना पहला स्टूडियो शुरू कर नवी मुंबई में अपनी उपस्थिति मजबूत की है। तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में लॉन्च के साथ कंपनी शहरी बाजारों में विस्तार पर जोर दे रही है और ग्राहकों को आधुनिक, पारदर्शी इंटीरियर सेवाएं उपलब्ध करा रही है। यह स्टूडियो संतोष कुमार जे और पार्थिवन सुधामन के साथ साझेदारी में स्थापित किया गया है। कंपनी के सह-संस्थापक व सीओओ तुलज चौधरी ने कहा कि नवी मुंबई, विशेषकर बेलापुर क्षेत्र, आवासीय विकास का प्रमुख केंद्र बन रहा है, जहां ग्राहक तेज, पारदर्शी और बरोसेमंद सेवाएं चाहते हैं। करीब 1,750 वर्ग फीट में फैले इस स्टूडियो में ग्राहक मॉडलिंग किचन, आईरोब और घर के लेआउट का वास्तविक अनुभव ले सकेंगे। यहां डिजाइन से लेकर क्रियान्वयन तक की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई है। स्टूडियो में कंपनी का एआई प्लेटफॉर्म ‘स्पेस क्राफ्ट’ रियल-टाइम 3डी विजुअलाइजेशन और पारदर्शी मूल्य निर्धारण की सुविधा देता है। साथ ही 45 दिन की डिलीवरी गारंटी और 10 साल की वारंटी जैसी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

पालघर के मरीजों के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री सहायता निधि

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में ‘मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि’ पालघर जिले के गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए एक बड़ी राहत बनकर उभरी है। इस योजना के माध्यम से जिले के 294 जरूरतमंद मरीजों को अब तक लगभग 2.40 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री सहायता निधि कक्ष के प्रमुख रामेश्वर नाईक ने बताया कि इस योजना का सफलता का मुख्य कारण इसकी पेपरलेस प्रक्रिया और त्वरित निರ್णय लेने की क्षमता है। पूरी तरह से पारदर्शी होने की वजह से सहायता राशि सीधे अस्पताल या संबंधित माध्यमों तक पहुंचती है, जिससे मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता। योजना के तहत मुख्य रूप से 20 गंभीर बीमारियों को कवर किया गया है। इसमें कैंसर (कर्क रोग), हृदय रोग, किडनी प्रत्यारोपण और डायलिसिस, लीवर प्रत्यारोपण, गंभीर दुर्घटनाएं शामिल हैं। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे को बढ़ाते हुए बीपीसीएल फाउंडेशन और टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ विशेष साझेदारी किया है। इस साझेदारी के तहत बच्चों में होने वाले कैंसर के उपचार के लिए विशेष आर्थिक सहायता और संसाधन उपलब्ध करवा जा रहे हैं। यदि आपको या आपके किसी परिचित को इलाज के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, तो शासन द्वारा जारी टोल-फ्री नंबर 1800 123 2211 पर संपर्क कर सकते हैं।

भिवंडी में लापरवाही से नवजात की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

‘डिजिटल इंडिया’ के दावों के बीच भिवंडी तालुका के मैंदे बीजापाड़ा गांव में स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। समय पर इलाज और एंबुलेंस सुविधा न मिलने से एक आदिवासी महिला के नवजात की मौत हो गई, जिससे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। जानकारी के अनुसार, सीधे बिना इंतजार रावते (32) को प्रसव पीड़ा होने पर परिवार ने कई बार एंबुलेंस के लिए संपर्क किया, लेकिन कोई सहायता नहीं मिली। खराब सड़क और परिवहन व्यवस्था के कारण महिला को दामांड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं ले जाया जा सका। मजबूरन घर पर प्रसव हुआ, पर चिकित्सा सहायता के अभाव में नवजात ने अगले दिन दम तोड़ दिया। मामले में यह भी सामने आया कि गर्भावस्था के दौरान महिला की सोनोग्राफी नहीं हो सकी, क्योंकि आधार कार्ड से जुड़ी तकनीकी बाधा बताई गई। इसको लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है। सामाजिक संगठनों ने दौधियों पर भी इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।



राक़त ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के मुद्दे पर भी सरकार को धेरा। उन्होंने कहा कि विधेयक मंजूर न होने के बावजूद भाजपा महिलाओं के नाम पर राजनीति कर रही है और विपक्ष को डरा रही है। उन्होंने सवाल किया, 'आप हमें भूमिका देने वाले कौन होते हैं? लोकतंत्र में 'परिणाम भुगतने' की भाषा का कोई स्थान नहीं है।' राक़त के इस बयान ने आगामी चुनावों से पहले महायुति और महाविपक्ष अघाड़ी के बीच की कड़वाहट को और बढ़ा दिया है।

सहयोग व स
व्यापार ठीक
प्रयोग किसी

भारत के 5 बड़े आतंकी हमले जिन्होंने देश की सुरक्षा और सियासत दोनों बदल दी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारतीय इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी हैं, जिन्हें याद कर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आतंकवाद के काले साए ने समय-समय पर देश के अमन-चैन को चोट पहुंचाने की कोशिश की है। आइए नजर डालते हैं उन 5 बड़े हमलों पर, जिन्होंने ना केवल भारत की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी, बल्कि पूरे देश को गम और गुस्से में डुबो दिया।

1993 मुंबई ब्लास्ट : वो जख्म जिसेने पूरी दुनिया को दहला दिया

12 मार्च 1993 का वह दिन मुंबई के लिए किसी कयामत से कम नहीं था। जब शहर के अलग-अलग हिस्सों में महज कुछ घंटों के भीतर 13 सीरियल बम धमाके हुए। इस खौफनाक मंजर में 250 से ज्यादा बेगुनाह लोगों की जान चली गई और हजारों लोग घायल हुए। यह भारत में आतंकवाद का एक ऐसा क्रूर चेहरा था, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा।



संसद हमला 2001 : लोकतंत्र के मंदिर पर चोट और युद्ध की आहट

13 दिसंबर 2001 को आतंकवादियों ने भारत के लोकतंत्र की सबसे पवित्र जगह ‘संसद भवन’ को निशाना बनाया। जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर परिसर में घुसने की कोशिश की। भारतीय सुरक्षाबलों ने अदम्य साहस दिखाते हुए सभी आतंकियों को ढेर कर दिया, लेकिन इस हमले ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों को युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया था।

2006 ट्रेन धमाके : जब 11 मिनट में थम गई थी मुंबई की रफ्तार

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों को 11 जुलाई 2006 को निशाना बनाया गया। शाम के समय में मात्र 11 मिनट के भीतर 7 बम धमाके हुए। यात्रियों से खराब खबरी ट्रेनों में हुए इन विस्फोटों में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई। इस हमले ने शहर की रफ्तार को कुछ समय के लिए थाम दिया था, लेकिन मुंबई के जच्चे ने फिर से वापसी की।



26/11 हमला : मुंबई में 60 घंटे का वो खौफनाक आतंकी तांडव

26 नवंबर 2008 को समुद्र के रास्ते आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने मुंबई को बंधक बना लिया था। ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट और सीएसएमटी स्टेशन समेत कई जगहों पर अंधाधुंध फायरिंग और धमाके हुए। लगभग 60 घंटों तक चली इस जंग में 166 से अधिक लोग मारे गए। अजमल कसाब को जीवित पकड़ना इस मामले में भारत के लिए बड़ी कामयाबी रही।

पुलवामा हमला : जवानों का सर्वोच्च बलिदान और बालाकोट का करारा जवाब

14 फरवरी 2019 को देश उस समय स्तब्ध रह गया जब जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर सीआरपीएफ के काफिले पर एक आत्मघाती हमला हुआ। विस्फोटक से लदी कार ने जवानों की बस को टक्कर मार दी, जिसमें 40 वीर जवान शहीद हो गए। इस कायरतापूर्ण हमले के जवाब में भारत ने बालाकोट एयरस्ट्राइक कर आतंकवाद के खिलाफ अपनी नई नीति का परिचय दिया।



दिल्ली में बिना पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को वाहनों से फैलने वाले वायु प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए कड़ा कदम उठाने का एलान किया। दिल्ली सरकार के अनुसार, अब राष्ट्रीय राजधानी के किसी भी पेट्रोल पंप पर ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा जिनके पास वैध ‘पीयूसी अंडर कंट्रोल’ (पीयूसी) सर्टिफिकेट नहीं होगा। इस संबंध में सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि यह नियम स्थायी रूप से लागू रहेगा, जिससे गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लग सके और दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में सुधार आए। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्लीवासियों को स्वच्छ और सेहतमंद वातावरण देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार ने साफ किया कि वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या से निपटने के लिए ऐसे सख्त कदम उठाना जरूरी हो गया था।



यह वाहन बिना वैध पीयूसी सर्टिफिकेट के नहीं भरेगा।

सभी पेट्रोल पंपों और एजेंसियों को निर्देश जारी

केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 115 (उप-नियम 7) के तहत, वाहनों के लिए यह अनिवार्य है कि पंजीकरण के एक साल बाद उनके पास एक वैध पीयूसी प्रमाणपत्र हो और जरूरत पड़ने पर वे उसे दिखाएं। हालांकि, कई वाहन अभी भी बिना वैध प्रमाणपत्र के चल रहे हैं, जिससे प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसे लेकर सरकार ने सभी पेट्रोल पंपों और एजेंसियों को निर्देश जारी कर सख्ती से पालन कराने की बात कही है।

खराब श्रेणी में दिल्ली की हवा

उल्लेखनीय है कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर से खराब श्रेणी में आ गई है। बुधवार सुबह 10 बजे दिल्ली का एक्वाआई 216 रिकॉर्ड किया गया। इसे खराब श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा मध्यम से खराब श्रेणी में चल रही है। पूना/मुंबई के लिए हाल फिलहाल एक्वाआई की खरी श्रेणी बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला: सुप्रीम कोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बीच जारी कानूनी जंग में बड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि कोई मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय एजेंसी की जांच प्रक्रिया में प्रवेश करता है या उसमें बाधा डालता है, तो इसे केवल केंद्र बनाम राज्य का राजनीतिक विवाद मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय के अनुसार, यह सीधे तौर पर कानून के शासन और संवैधानिक मर्यादा से जुड़ा विषय है। अदालत ने कहा कि ममता बनर्जी के इस आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाला है। यह मामला जनवरी 2026 में कोयला घोटाले की जांच के दौरान आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया था कि छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद हस्तक्षेप किया था। वहीं, एजेंसी ने ममता बनर्जी की ओर से की गई इस कार्रवाई को अपनी वैधानिक ड्यूटी में बड़ी बाधा माना है।

अनुच्छेद 32 और मौलिक अधिकारों पर बहस

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दलील दी कि ईडी एक सरकारी विभाग है, कोई व्यक्ति नहीं, इसलिए वह अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर नहीं कर सकता। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी के अधिकारी व्यक्तिगत रूप से भी भारत के नागरिक हैं। यदि उन्हें डराया-धमकाया जाता है या उनकी ड्यूटी करने से रोका जाता है, तो उनके मौलिक अधिकारों का हनन होता है। अदालत ने एक काल्पनिक स्थिति का उदाहरण भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के वकील से पूछा कि यदि केंद्र में उनकी सरकार होती और किसी अन्य राज्य का मुख्यमंत्री इसी तरह केंद्रीय एजेंसी की जांच में बाधा डालता, तो उनकी कानूनी प्रतिक्रिया क्या होती ?

होर्मुज में फिर 3 जहाजों पर बड़ा हमला !



हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज में तीन कंटेनर जहाजों पर हमले की घटनाएं सामने आई हैं। यह इलाका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। समुद्री सुरक्षा एजेंसियों और United Kingdom Maritime Trade Operations (UKMTO) के अनुसार, बुधवार को कम से कम तीन जहाजों पर गोलीबारी की गई। इन हमलों में रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (RPG) और गोलियों का इस्तेमाल हुआ। पहला हमला ओमान के उत्तर-पूर्व में हुआ, जहां लाइबेरिया झंडे वाले एक कंटेनर जहाज के ब्रिज (जहाज का कंट्रोल रूम) को नुकसान पहुंचा।

■ जहाज के कप्तान ने बताया कि एक गनबोट तेजी से उनकी ओर बढ़ी और बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। राहत की बात यह रही कि इस हमले में कोई आग या पर्यावरणीय नुकसान नहीं हुआ और सभी कू सदस्य सुरक्षित हैं। दूसरी घटना में एक पनामा-झंडे वाला जहाज ईरान के पश्चिम में करीब 8 नॉटिकल मील दूरी पर फायरिंग का शिकार बना। हालांकि इस जहाज को कोई नुकसान नहीं हुआ और इसका पूरा स्टॉक सुरक्षित रहा। तीसरी घटना में एक और लाइबेरिया-झंडे वाले जहाज पर उस समय गोलीबारी हुई जब वह स्ट्रेट से बाहर निकल रहा था। इस जहाज ने सुरक्षा के लिए बीच समुद्र में रुकने का फैसला किया। इसमें भी किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ और कू सुरक्षित रहा। एक जहाज ने Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) को सूचना दी थी कि एक संधिगत गनबोट उनकी ओर बढ़ रही है। इसके कुछ ही समय बाद हमला हुआ।



अदालत ने क्या-क्या कहा ?

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के रुख पर कड़े सवाल उठाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति किसी सक्रिय तलाशी अभियान वाली जगह पर चला आता है, तो यह जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जस्टिस मिश्र ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिवक्ता से पूछा कि क्या ईडी के अधिकारियों से यह उम्मीद की जाती है कि जब मुख्यमंत्री खुद छापेमारी वाली जगह पर घुस आए और कार्रवाई को बाधित करें, तो वे मूकदर्शक बनकर खड़े रहें ? सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि यह विवाद केवल केंद्र और राज्य के बीच का नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया क्रूर है जो मुख्यमंत्री जैसे उच्च संवैधानिक पद पर बैठकर पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। राज्य सरकार की ओर से तकनीकी आधार पर अनुच्छेद 32 की वैधता पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए जस्टिस कुमार ने कहा कि केशवानंद भारती केस से लेकर सीरवाई जैसे महान संविधानविदों ने भी कभी ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि भारत में एक दिन ऐसा भी आएगा जब कोई मौजूदा मुख्यमंत्री स्वयं किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में घुसकर उसकी वैधानिक प्रक्रिया में इस प्रकार हस्तक्षेप करेगा।

पाकिस्तान के ‘डबल गेम’ से आगबबूला हुआ ईरान !

कहा- ट्रंप के तलवे चाट रहे आसिम मुनीर, नहीं पहुंचाया सही संदेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान-पाकिस्तान के बीच इस समय भरोसे का गंभीर संकट पैदा हो गया है जिसके बाद ईरान-अमेरिका बातचीत में पाकिस्तान की मध्यस्थता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने पाकिस्तान पर सीधा आरोप लगाया है कि वह अमेरिका के साथ मिलकर ‘डबल गेम’ खेल रहा है और ईमानदारी से मध्यस्थता नहीं कर रहा। ईरान की सबसे बड़ी नाराजगी पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को लेकर है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने पाकिस्तान की भूमिका पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है।



■ ईरान ने पाकिस्तान पर ‘मीडिया गेम’ खेलने का भी आरोप लगाया है। तेहरान का कहना है कि इस्लामाबाद यह झूठा माहौल बना रहा है कि बातचीत जल्द शुरू होगी, जबकि ईरान ने अभी ऐसी किसी प्रक्रिया को मंजूरी नहीं दी है। इससे दुनिया के सामने ईरान को गतत तरीके से पेश किया जा रहा है। ईरान को अब डर है कि अगर यही स्थिति रही, तो पूरी बातचीत फेल हो सकती है। उसका साफ कहना है कि अगर मध्यस्थ पूरी तरह निष्पक्ष नहीं होगा, तो किसी भी समझौते की उम्मीद नहीं की जा सकती। कुल मिलाकर, ईरान का गुस्सा साफ दिख रहा है और उसने पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर वादा खड़े कर दिए हैं। यह विवाद न सिर्फ दोनों देशों के रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति को भी और अस्थिर बना सकता है।

■ एक प्रमुख विश्लेषक के जरिए प्रसारित रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि मुनीर ने ईरान का प्रस्ताव अमेरिका तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन अब तक कोई साफ जवाब नहीं आया। इससे ईरान को शक है कि या तो प्रस्ताव सही तरीके से नहीं पहुंचाया गया या जानबूझकर देरी की जा रही है। ईरानी पक्ष का आरोप है कि पाकिस्तान बाहर से खुद को न्यूट्रल (तटस्थ) दिखाता है, लेकिन अंदरखाने अमेरिका का साथ दे रहा है। यही वजह है कि ईरान को लग रहा है कि पूरी बातचीत की प्रक्रिया उसके खिलाफ बनाई जा रही है। मामला तब और बिगड़ गया जब ईरान के 10-सूत्रीय प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया गया और अमेरिकी पक्ष जिसमें जे.डी. वैंस (JD Vance) जैसे नेता शामिल हैं। ईरान का मानना ​​है कि पाकिस्तान ने एक एचवे मध्यस्थ की तरह उसका पक्ष मजबूत करने के बजाय चुप्पी साध ली।

राहुल गांधी की रैली को नहीं मिली इजाजत; भड़की कांग्रेस

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले राजनीतिक सरगमियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तुणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा, क्योंकि कोलकाता में राहुल गांधी की एक चुनावी रैली को प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दी गई। कांग्रेस सूत्रों ने आरोप लगाया कि स्थानीय प्रशासन और विशेष रूप से पुलिस पूरी तरह से ममता बनर्जी सरकार के इशारे पर काम कर रही है। पार्टी का कहना है कि उन्होंने अनुमति के लिए शाम 6:00 बजे तक इंतजार किया। लेकिन इजाजत न मिलने के कारण अंत समय में रैली की तैयारियां करना संभव नहीं रह गया था।



नई तारीखों का प्रस्ताव

कांग्रेस अब 25 या 26 अप्रैल के लिए प्रशासन के सामने एक नया आवेदन और संशोधित कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष शुभेंकर सरकार ने दावा किया कि मालदा और मुर्शिदाबाद में राहुल गांधी की रैलियों में उमड़ी भारी भीड़ को देखकर टीएमसी और भाजपा दोनों ‘धक्का’ जाएं हैं। इसी बौखलाहट में अब रैलियों के लिए जगह की अनुमति भी नहीं दी जा रही है।

सोशल मीडिया (X) पर कांग्रेस का प्रहार

कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘X’ पर कड़े शब्दों में लिखा कि बंगाल ममता बनर्जी या टीएमसी की निजी जमीन नहीं है। राहुल गांधी के चुनाव प्रचार दौरे को रोकना प्रशासन की आड़ में छिपी उनकी राजनीतिक असुरक्षा है। अगर आपका जनादेश इतना मजबूत है, तो एक जनसभा से कैसा डर ? बंगाल असली लोकतंत्र का हकदार है, पुलिस द्वारा नियंत्रित राजनीति का नहीं।

टीएमसी का पलटवार और स्पष्टीकरण

पश्चिम बंगाल की मंत्री और टीएमसी नेता शशि पांजा ने कांग्रेस के इन आरोपों को खारिज किया और प्रशासनिक नियमों का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में राज्य की ‘कार्यवाहक सरकार’ किसी भी रैली के रद्द होने के लिए जवाबदेह नहीं है। इसका जवाब चुनाव आयोग ही दे सकता है। पांजा ने स्पष्ट किया कि किसी भी जनसभा की अनुमति के लिए चुनाव आयोग के ‘सुविधा पोर्टल’ के माध्यम से आवेदन करना होता है और यह प्रक्रिया रैली से 2 से 7 दिन पहले पूरी करनी होती है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम बंगाल में एक बेहद कड़ा और हाई-अल्ट्रेज चुनावी मुकबला देखने को मिल रहा है। तुणमूल कांग्रेस लगातार चौथी बार सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन कर सरकार बनाने की जुगत में है।

हिंदमाता एंकर: नेपाल के अधिकारियों ने कुछ सख्त नियम लागू किए हैं, जिनका सीधा असर भारतीय यात्रियों पर पड़ सकता है...

भारत से नेपाल जाने वालों के लिए नए नियम, बॉर्डर पर देना होगा टैक्स; शॉपिंग पर भी नया रूल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत-नेपाल बॉर्डर पर हालात बदल रहे हैं। ये बदलाव भारतीय लोगों के पक्ष में नहीं हैं। नेपाल के अधिकारियों ने कुछ सख्त नियम लागू किए हैं, जिनका सीधा असर भारतीय यात्रियों पर पड़ सकता है। नेपाल सरकार के इन नियमों का असर खासकर उन लोगों पर पड़ेगा, जो अपनी गाड़ी से सीमा पार करते हैं या वहां से सामान वापस लाते हैं। कई लोगों के लिए, जो इन दोनों देशों के बीच आसान और बिना किसी रोक-टोक के सफर करने के आदी हैं, उन्हें यह बदलाव चौंकारने वाला लग सकता है।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर बदले नियम



रोक-टोक के एक-दूसरे के देश में आ-जा सकते हैं, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। भारत से नेपाल अब अपनी गाड़ी से जाना आसान नहीं है, जैसे कि पहले हुआ करता था। नेपाल में घुसते ही भारतीय गाड़ियों को रजिस्टर कराना जरूरी है। इसके साथ ही आपके पास गाड़ी से जुड़े दस्तावेज भी होने चाहिए।

भारत और नेपाल के बीच दशकों पुराने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्ते रहे हैं। इन दोनों देशों के बीच संबंध इतने मजबूत हैं कि भारतीय सेना के मौजूदा प्रमुख को ‘नेपाली सेना के जनरल’ की मानद उपाधि दी जाती है और नेपाली सेना के प्रमुख को ‘भारतीय सेना के जनरल’ का मानद पद दिया जाता है। भारत और नेपाल दोनों देशों की सीमाएं खुली हुई हैं, जिससे लोग बिना किसी रोक-टोक के एक-दूसरे के देश में आ-जा सकते हैं, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। भारत से नेपाल अब अपनी गाड़ी से जाना आसान नहीं है, जैसे कि पहले हुआ करता था। नेपाल में घुसते ही भारतीय गाड़ियों को रजिस्टर कराना जरूरी है। इसके साथ ही आपके पास गाड़ी से जुड़े दस्तावेज भी होने चाहिए।

सख्त नियम हो रहे लागू

भारत के लोगों की गाड़ी एक साल में 30 दिनों से ज्यादा नेपाल में नहीं रुक सकती। यहां तक कि छोटी यात्राओं के लिए भी अब पैसे चुकाने जरूरी हो गए हैं। भारत से नेपाल जाने वाले लोगों से अब रोजाना एंटी फीस ली जा रही है और अगर आपके पास गाड़ी से जुड़े दस्तावेज नहीं हैं तो अधिकारी आपकी गाड़ी जप्त कर सकते हैं और कुछ मामलों में, गाड़ी हमेशा के लिए भी जब्त की जा सकती है। नेपाल से 100 नेपाली रुपया (करीब 62 भारतीय रुपया) से ज्यादा की खरीद करके लाने पर करस्टम ड्यूटी लगाई जा रही है। भारत-नेपाल बॉर्डर पर इन बदलावों का सबसे ज्यादा असर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों पर पड़ेगा, क्योंकि उनके परिवार के कुछ सदस्य भारत में रहते हैं तो कुछ नेपाल में। दक्षिणी नेपाल में रहने वाले कई परिवार अक्सर बिहार और उत्तर प्रदेश के आस-पास के इलाकों में जाकर अपनी जरूरत का सस्ता सामान खरीदते रहे हैं। अब, अगर वे पैसे देने से मना कर देंगे, तो नेपाली करस्टम्स या तो उन पर चार्ज लगा रहे हैं या उनका सामान जब्त कर रहा है। छोटे दुकानदार और कारोबारी अब परेशान हैं, क्योंकि नए नियमों की वजह से उनकी बिक्री पर बुरा असर पड़ रहा है।

नियमों में बदलाव की क्या है वजह ?

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार अब छोटी-छोटी बातों पर भी सख्त कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस कदम का मकसद गाड़ियों के अवैध इस्तेमाल पर रोक लगाना, टैक्स चोरी रोकना और नेपाल के अंदर ही बने उत्पादों को बढ़ावा देना है। देखा जाए तो पहले भारतीय गाड़ियां बिना किसी शुल्क के 24 घंटे तक सीमा के आस-पास के इलाकों में आ-जा सकती थीं। अब इस छूट को खत्म करके, निगरानी और नियमों को लागू करने में और भी ज्यादा सख्ती बरती जा रही है।

अखिलेश की मां पर टिप्पणी से भड़की सपा

लखनऊ मेयर के खिलाफ प्रदर्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मेयर सुषमा खर्कवाल के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किया। मेयर ने महिला आरक्षण बिल से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव की मां पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद सपा समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मेयर के सरकारी आवास पहुंचे और जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास के गेट पर लगी नेमप्लेट को चप्पलों से पीटा। इस घटना के बाद लखनऊ का सियासी पारा चढ़ गया है और पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर मेयर को सोशल मीडिया के जरिए कड़ा जवाब दिया है।

क्या था मेयर का विवादित बयान?

मेयर सुषमा खर्कवाल ने एक कार्यक्रम में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा करते हुए अखिलेश यादव को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अखिलेश यादव ने अपनी मां, बहन और बेटी का अपमान किया है। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव की दिवंगत मां का जिक्र करते हुए उन पर सीधी टिप्पणी कर दी। मेयर के इस निजी हमले को समाजवादी पार्टी ने बेहद गंभीरता से लिया और इसे महिला अस्मिता के खिलाफ बताते हुए विरोध शुरू कर दिया।

अखिलेश यादव ने X पर दिया जवाब

इस पुरे मामले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर अपना दर्द और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने लिखा, राजनीतिक मजबूरी में मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला होकर दूसरी महिला का अपमान करना उचित नहीं है। र अखिलेश के इस बयान के बाद कार्यकर्ताओं में आक्रोश और बढ़ गया। सपा का कहना है कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन परिवार और दिवंगत लोगों को घसीटना किसी भी तरह से स्वीकार्य नहीं है।

अपनी कंपनी लाहौर में खोल लो..

लैंसकार्ट विवाद पर भड़के धीरेंद्र शास्त्री

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज प्रयागराज में एक कार्यक्रम के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने लैंसकार्ट कंपनी के मालिक पर जमकर भड़के और उन्हें लाहौर जाने की सलाह दे डाली। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि 'एक कंपनी है उसका नाम लैंसकार्ट है। उसने अपने वर्कर्स को बोला है कि हमारे यहां कोई तिलक लगा के नहीं आ सकता, मंगलसूत्र पहन के नहीं आ सकता, सिंदूर लगा के नहीं आ सकता। अरे।।। नकदा, तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है। धीरेंद्र शास्त्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि लैंसकार्ट जैसी कंपनियां हिंदू समाज की भावनाओं और विचारधारा को आहत करती हैं, इनका बहिष्कार होना चाहिए। उन्हें लाहौर जाना चाहिए। इन्हें भारत में व्यापार करने का अधिकार नहीं है।

लैंसकार्ट के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं लोग

इसके बावजूद यह मुद्दा थमता नजर नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग कंपनी के खिलाफ नाराजगी जहिर कर रहे हैं और बहिष्कार की मांग कर रहे हैं। कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिले हैं। भोपाल में कुछ संगठनों ने लैंसकार्ट के स्टोर्स के बाहर प्रदर्शन किया और कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की। फिलहाल यह मामला धार्मिक भावनाओं, कोर्रिप्ट नीतियों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच अस्तंतुलन का एक बड़ा उदाहरण बनता जा रहा है।

ऐसे शुरू हुआ था विवाद

यह पुरा विवाद कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित पॉलिसी डॉक्यूमेंट से शुरू हुआ था। इस दस्तावेज में दावा किया गया था कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए कुछ धार्मिक प्रतीकों – जैसे बिंदी, तिलक और कलावा – पर रोक लगाई है। विवाद बढ़ने के बाद कंपनी के सह-संस्थापक पीयूष बंसल ने सार्वजनिक रूप से सफाई दी। उन्होंने कहा कि वायरल हो रहा दस्तावेज पुराना और भ्रामक है, जिसे पहले ही हटा दिया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि लैंसकार्ट अपने कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार का धार्मिक भेदभाव नहीं करता और सभी को अपनी आस्था के अनुसार पहनावे की पूरी स्वतंत्रता है।

कानपुर में जूता फैक्ट्री में लगी भीषण आग

एक पूरी बिल्डिंग जलकर खाक; बुझाने में जुटी फायर ब्रिगेड

हिंदमाता नेटवर्क @ कानपुर कानपुर के जानमऊ इलाके में स्थित वाजिदपुर की एक जूता फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। IHS इंटरनेशनल नामक इस फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया, जिससे फैक्ट्री की एक पूरी बिल्डिंग जलकर खाक हो गई। आरोप है कि फायर ब्रिगेड टीम देर से पहुंची, जिससे आग बुझाने के काम में देरी हुई। फिलहाल फायर टीम आग बुझाने में जुटी है, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिल पाई है। वहीं इस हादसे में करोड़ों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। जानमऊ इंडस्ट्रियल क्षेत्र के वाजिदपुर में स्थित एक जूता फैक्ट्री में मंगलवार शाम अचानक भीषण आग लग गई। शाम करीब 6 बजे छुट्टी के बाद भड़की आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा कि आग करीब 7 बजे तेज हो गई और तेजी से फैलते हुए फैक्ट्री के बड़े हिस्से को जलाकर खाक कर दिया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया।

संकरी गली में थी फैक्ट्री, आग बुझाने में हुई परेशानी

संकरी गलियों के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करती रही, जिससे आग बुझाने में देरी हुई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को पानी की कमी जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। बताया गया कि एक गाड़ी पानी खत्म होने के कारण कुछ ही देर में लौट गई। फिलहाल आधा दर्जन से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं।

करोड़ों के नुकसान की आशंका

फैक्ट्री मालिक नौशाद के अनुसार, आग से हुए नुकसान का सही आकलन अभी नहीं हो पाया है, लेकिन शुरुआती अंदाजा करोड़ों रुपए के नुकसान का लगाया जा रहा है। आग पूरी तरह बुझने के बाद ही वास्तविक नुकसान का आंकड़ा सामने आएगा। पुलिस के मुताबिक, उन्हें रात करीब 8-30 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। गनीमत रही कि फैक्ट्री में आग उस समय लगी, जब छुट्टी हो चुकी थी। मौके पर केवल सुरक्षा गार्ड मौजूद था, जिससे किसी भी प्रकार की जल्जाली नहीं हुई।

पहला मामला–

भदोही जिले के ज्ञानपुर नगर के बालीपुर निवासी सोनू सिंह ने बताया कि जबसे जनरल मीटर की जगह उनके यहां स्मार्ट मीटर लगाया गया है तबसे बिल दोगुना आ रहा है। साथ ही दो दिन पहले 667 रुपए माइनस में होने के कारण स्मार्ट मीटर ने विद्युत आपूर्ति रोक दी, जिससे भीषण गर्मी में काफी परेशानी हुई। इसके बाद उन्होंने 1200 रुपए बिल जमा किए लेकिन इसके बावजूद उनके मोबाइल पर 667 रुपए बकाया होने के कारण विद्युत आपूर्ति रोक देने का मेसेंज आ रहा है। इन सबसे वो मानसिक रूप में परेशान हो गए हैं।



कि सामान्य मीटर से लगभग 300 का बिल आता था। छह महीने पहले उनके पत्नी को फालिश मार दिया जिसके कारण वो बिल नहीं जमा कर पाए और इसी बीच उनके यहां पुराना मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगा दिया गया। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद उनके 17 हजार का बकाया बिजली बिल अब और बढ़कर आ रहा है। लगातार एक हजार से अधिक बिजली का बिल आ रहा है। लालमनी का कहना है कि वो गरीब हैं और किसी तरह बीमारा पत्नी और परिवार की देखभाल कर रहे हैं तो ऐसे में वो भारी भरकम बिल कैसे जमा कर सकेंगे।

एक साथ फिर गरजेंगे ‘राफेल-जगुआर-मिराज’

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर IAF का मेगा युद्धाभ्यास, गुंजेगा पूरा आसमान

हिंदमाता नेटवर्क @ सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के अरवल कीरी-करवत हवाई पट्टी एक बार फिर भारतीय वायुसेना के दमखम का साक्षी बनने जा रहा है। 22 व 23 अप्रैल को होने वाले युद्धाभ्यास की तैयारी तेज कर दी गई है। बैठने के लिए अलग-अलग जगह पंडाल बनाए जा रहे हैं। दर्शक दीर्घा को तिरंगे के कलर से सजाया जा रहा है और सफाई अभियान तेज कर दिया गया है। युद्धाभ्यास में मिराज, राफेल, जगुआर और तेजस जैसे नामी-गिरामी फाइटर जेट शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की अरवल कीरी-करवत हवाई पट्टी पर एक बार फिर भारतीय वायुसेना का दमखम देखने को मिलेगा। इसमें अत्याधुनिक लड़ाकू विमान अपनी ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। इस आपातकालीन हवाई पट्टी पर वायुसेना के अधिकारी पहुंचकर तैयारियों का जायजा ले चुके हैं।

हवा में दिखाएंगे रोमांचक करतब

युद्धाभ्यास में सुखोई और मिराज, राफेल, जगुआर, तेजस फाइटर जेट शामिल होंगे, जो हवा में रोमांचक करतब दिखाएंगे। इस बार खास आकर्षण 'टच एंड गो' अभ्यास रहेगा, जिसमें विमान पूर्व से पश्चिम दिशा में हवाई पट्टी को छूते हुए तेज रफ्तार से उड़ान भरेंगे। यह अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में हाईवे को रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के लिए किया जाता है। इससे पहले भी इस हवाई पट्टी पर सफल युद्धाभ्यास हो चुका है, जिसे देखने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे थे। इस बार भी क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। वहीं, दर्शकों के लिए विशेष दीर्घा और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।

'ब्राह्मण को गाली देवे का फैशन आ गइल बा', बोले रवि किशन

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर यूपी के गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। इस बीच बलिया में उन्होंने एक ऐसा बयान दे दिया जिसने सियासी हक्कों में हलचल पैदा कर दी है। मीडिया से बात करते हुए रवि किशन ने कहा- 'हां मैं ब्राह्मण हूं और ब्राह्मण को गाली देना आजकल फैशन हो गया है।' दरअसल, बीजेपी सांसद परशुराम जवंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बलिया जिले पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भगवान भृगु की धरती से कहा- 'हां मैं ब्राह्मण हूं, देखा एगो फैशन चलन बा, ब्राह्मण को गाली देवे का फैशन आ गइल बा। जेकर मन करत बा बोल देत है। आसान बा ब्राह्मण को गाली देना। हम बहुत बार से सुन रहे थे, मगर आज पहली बार भृगु महाराज के स्थान आए हैं। जब कपारे पर सवार हो जाला तो हमसे कुछ भी बुलवा ले ला।

■ उन्होंने आगे कहा कि ब्राह्मण लालची नहीं होता है। वो लेने वाला नहीं देने वाला होता है। भिक्षा भी आशीर्वाद देकर या मंत्र पढ़कर लेता है। उसे बस प्यार से 'पैर लागी' बोल दो उसी में खुश हो जाता है। भगवान परशुराम ने धर्म की रक्षा के लिए फरसा उठाया था, ऐसे वैसे नहीं संहार किया था। वहीं, रवि किशन ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने पर विपक्षी दलों (कांग्रेस, सपा, टीएमसी) को आड़े हाथों लिया। परशुराम जवंती पर उन्होंने इसे 'महिलाओं के खिलाफ सबसे बड़ा पाप' बताया और कहा कि देश की माताएं-बहनें उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी।

■ किशन ने तर्क दिया कि देश की 1.4 अरब आबादी में करीब 70 करोड़ महिलाएं हैं, जो सदन में उचित प्रतिनिधित्व की हकदार हैं। उन्होंने पारसीमन का जिक्र करते हुए कहा कि इससे गोरखपुर जैसे क्षेत्रों में सीटें बढ़ती, जिससे महिला उम्मीदवारों को राजनीति में अधिक अवसर मिलते, लेकिन विपक्ष ने उन्हें अधिकारों से वंचित कर दिया।

■ फिलहाल, रवि किशन ने बुधवार सुबह उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। यहां उन्होंने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रभु आशीर्वाद प्राप्त किया। करीब 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहकर उन्होंनेदर्शन-पूजन किए और देश-प्रदेश के कल्याण की कामना की।

46 वार करके दंपति को मार डाला

मुरादाबाद हत्याकांड के आरोपी का एनकाउंटर

हिंदमाता नेटवर्क @ मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में अभिमान और मामूली विवाद को सनक के एक पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया है। थाना सिविल लाइंस अंतर्गत चक्कर की मिलक इलाके में सोमवार रात हुई राजा और उसकी पत्नी फराह की हत्या ने पूरे जिले को दहला दिया है। इस दोहरे हत्याकांड की पटकथा जिला अस्पताल के बेड पर लिखी गई थी, जहां एक घायल पिता ने अपने बेटे को बेइज्जती का बदला लेने के लिए उकसाया था। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य साजिशकर्ता फहीम को पहले ही जेल भेज दिया है। वहीं, मंगलवार देर रात एक और नामजद आरोपी अनस को पुलिस ने मुटभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अगवानपुर इलाके में हुई इस घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा

मृतक राजा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट रंग्रेट खड़े कर देने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरो ने राजा पर चाकूओं से कुल 40 वार किए थे। यह हमला इतनी भीषण था कि उसकी गर्दन की नसें कट गई थीं और चाकू के गहरे घाव फेफड़ों व लीवर तक जा पहुंचे थे। अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। राजा के हाथों पर मिले 16 घाव इस बात की गवाही दे रहे हैं कि उसने आखिरी सांस तक कालिलों से कड़ा मुकाबला किया था। वहीं, उसकी पत्नी फराह के शरीर पर भी छह गंभीर निशान मिले हैं, जिनमें गर्दन पर हुआ प्रहार जानलेवा साबित हुआ। मजब एका कमरे के मकान में, अपने तीन मासूम बच्चों के सामने ही इस दंपति को मौत के घाट उतारा दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश है।

अस्पताल के बेड से रची गई साजिश

इस जघन्य अपराध की जड़ में महज 24 हजार रुपये का बकाया और सम्मान की झूठी लड़ाई थी। पुलिस तत्पतीश में सामने आया कि आरोपी फहीम ने राजा को एक लॉट बेचा था, जिसके कुछ पैसे बकाया थे। इसी बात को लेकर 19 अप्रैल को हुए विवाद में राजा ने फहीम के सिर पर ईंट मार दी थी। अस्पताल में भर्ती फहीम ने इसे अपना सार्वजनिक अपमान माना और जब उसका बेटा फरजद व साथी आरिफ उससे मिलने पहुंचे, तो उसने उन्हें सबक सिखाने के लिए उकसाया। मामले में सपा के पूर्व नेता के भाई आरिफ को भी नामजद किया गया है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

गोरखपुर में भैंस के दूध से फैली दहशत, 30 लोग पहुंचे अस्पताल

लगवाना पड़ा एंटी रैबीज इंजेक्शन

हिंदमाता नेटवर्क @ गोरखपुर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के उरुवा क्षेत्र के करीब 30 लोगों ने एंटी रैबीज का टीका लगवाया है। दरअसल, करीब दो महीने पहले एक भैंस को पागल कुत्ते ने काट लिया था। इसकी जानकारी किसी भी नहीं थी, भैंस का दूध लगातार इस्तेमाल किया जा रहा था। वहीं दो महीने बीतने के बाद, भैंस के व्यवहार में बदलाव आया, उसने चारा खाना छोड़ दिया। जब डॉक्टर को दिखाया गया तो जांच में आया कि भैंस रैबीज से संक्रमित और इसे बचाया नहीं जा सकता। इसके कुछ ही दिन बाद भैंस मर गई। जिसके बाद उसके दूध का सेवन करने वाले लोग डर गए। लोगों ने पीएचसी जाकर एंटी रैबीज का टीका लगवाया है। जानकारी के मुताबिक, गोरखपुर जिले के उरुवा क्षेत्र में बेसहनी गांव के रहने वाले अभय नाथ की भैंस को लगभग दो महीने पहले पागल कुत्ते ने काट लिया था। इस बात की जानकारी अभय को नहीं थी, कुछ दिन बाद भैंस की तबीयत खराब होने लगी थी, और 16 अप्रैल से भैंस ने खाना पीना छोड़ दिया था। उसके बाद अभय ने पशु चिकित्सक से उसका इलाज कराया। जांच के बाद यह पता चला कि भैंस को कुत्ते ने काट लिया है जिसकी वजह से उसे रैबिज हो गया है। बीमारी की वजह से भैंस के व्यवहार में भी परिवर्तन हो गया था।

डॉक्टर ने कही ये बात

डॉक्टर ने बताया कि भैंस बचेगी नहीं, 17 अप्रैल को भैंस ने दम तोड़ दिया। जब इस बात की जानकारी भैंस का दूध लेने वाले ग्राहकों को हुई तो हड़कम मच गया। इन दो महीनों में भैंस का दूध लगातार निकाला गया, और उसे ग्राहकों को बेचा भी गया था। लोग भैंस के दूध का इस्तेमाल भी किए थे। इसके बाद एहतियात के तौर पर लोगों ने एंटी रैबिज का टीका लगवाया। इस मामले में अभयनाथ ने बताया कि रैबिज से संक्रमित भैंस का दूध इस्तेमाल उनके परिवार के 15 लोगों सहित दूध निकालने वाले संत यादव के परिवार के 15 यानी कुल 30 लोग करते थे।



लोगों से सतर्क रहने की अपील

संक्रमित भैंस का दूध पीने की जानकारी जब इन लोगों को हुई तो यह लोग डर गए, और अस्पताल जाकर एंटी रैबिज का टीका लगवाया है। उरुवा पीएचसी प्रभारी डॉक्टर जेपी तिवारी के नेतृत्व में अस्पताल कर्मचारियों ने गांव से आने वाले लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि संक्रमित भैंस का दूध पीने से रैबिज होने की आशंका रहती है, लेकिन गर्म दूध या वायु पीने से कोई डर नहीं है। संक्रमित भैंस का जिसने भी कच्चा दूध इस्तेमाल किया है वो इंजेक्शन जरूर लगवाएं। फिलहाल 30 लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उरुवा में इंजेक्शन लगवाया है।

शॉर्ट स्टोरी

JDU की नई टीम में निशांत को नहीं मिली जगह, क्या हैं सियासी मायने?

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

जनता दल (युनाइटेड) ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें नीतीश कुमार एक बार फिर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए हैं। नई सूची में शीर्ष नेतृत्व में निरंतरता के साथ समूहनात्मक स्तर पर कई अहम बदलाव भी देखने को मिले हैं। इस सूची की सबसे बड़ी चर्चा का विषय यह है कि निशांत कुमार को किसी भी पद पर जगह नहीं दी गई है। उनकी गैरमौजूदगी को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि फिलहाल पार्टी में नेतृत्व के उत्तराधिकार को औपचारिक रूप नहीं दिया जा रहा है। हालांकि, हाल ही में सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हुए निशांत कुमार बिहार में जनसंपर्क अभियान शुरू करने की तैयारी में हैं। जानकारी के मुताबिक, वे 3 मई से पूरे राज्य में घाटा निकाल सकते हैं, जिससे उनकी सक्रिय राजनीति की शुरुआत मानी जा रही है। बावजूद इसके, उन्हें समूहन में पद दिए जाने से यह साफ है कि पार्टी फिलहाल राजनीतिक गतिविधियों और समूहनात्मक जिम्मेदारियों को अलग-अलग रखना चाहती है। वहीं, संजय कुमार झा को एक बार फिर कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो पार्टी नेतृत्व के उन पर भरोसे और समर्थन में उनकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। समूहनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए पार्टी ने राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की संख्या घटाकर एक कर दी है। पूर्व सांसद चंद्रेश्वर प्रसाद चंदवंशी को एकमात्र राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस नेतृत्व संरचना को सरल और प्रभावी बनाने की दिशा में कदम माना जा रहा है। इसके अलावा, वरिष्ठ नेता मनीष वर्मा, श्याम रजक और अशोक चौधरी को महासचिव पद पर बरकरार रखा गया है, जिससे अनुभव और स्थिरता बनाए रखने का संदेश मिलता है। महासचिवों की सूची में अफाक अहमद खान और जलाम रसूल बलियावाी जैसे नाम भी शामिल हैं, जो सामाजिक और सामुदायिक संतुलन को दर्शाते हैं।

आपदा प्रभावित किसानों को राहत! 5 मई तक करें आवेदन, मिलेगा अनुदान

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

बिहार सरकार प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को राहत देने जा

रही है। जिन किसानों की फसलें मार्च 2026 में ओले,

तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से नष्ट हो गई हैं, वे राहत राशि के लिए 5 मई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। कृषि इन्पुट अनुदान योजना के तहत 13 जिलों के हजारों किसानों को राहत राशि दी जाएगी। दरअसल, बीते दिनों बिहार के कई इलाकों में मौसम भारी और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। मार्च महीने के तीसरे और चौथे सप्ताह में इस तरह की घटनाएं देखी गईं जिससे एक साथ कई फसलों पर भार पड़ा। बारिश के अलावा आंधी और तूफान ने गेहूं जैसी फसल को खेतों में बिछा दिया। आग और लौी जैसी बानसीनी फसल भी प्रभावित हुई है। इस नुकसान की भरपाई के लिए किसानों ने प्रदेश सरकार से गृहज लगाई थी जिसे मान लिया गया है। कृषि इन्पुट अनुदान योजना का लाभ 13 जिलों के उन किसानों को मिल रहा है जिनकी फसलें मार्च के तीसरे और चौथे सप्ताह में आए ओले, तेज हवा और अन्य मौसमी विपत्तियों से प्रभावित हुई हैं। कृषि विभाग की टीम ने फसल नुकसान का सर्वे और आकलन करने के बाद 13 जिलों का नाम चुना है। जिसमें सहरसा, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, अररिया, बेगूसराय, मधुबनी, पूर्णिया, खगड़िया, किशनगंज, मेधपुरा, दरभंगा, सुपौल और भागलपुर जिला शामिल है। इन जिलों में कुल 88 प्रखंडों की 1,484 पंचायतों में रहने वाले प्रभावित किसान इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए किसान 5 मई तक आवेदन कर सकते हैं। आंधी-तूफान, बेमौसम बारिश और ओला गिरने के कारण हुए नुकसान के लिए अर्शिचित (वर्षा पर आधारित) फसल क्षेत्र के लिए किसानों को 8,500 रुपये प्रति हेक्टेयर, सिंचित क्षेत्र के लिए 17,000 रुपये प्रति हेक्टेयर, बहुवर्षीय फसल (गन्ना सहित) के लिए 22,500 रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से सहायता राशि दी जाएगी।

बचाने गए और खुद बन गए शिकार, सेप्टी टैंक में 3 मजदूरों की दम घुटने से मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ नवगाछिया

बिहार के नगगछिया पुलिस जिला के खैरपुर कला गांव में बुधवार को एक डकैत दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। शोचादर्शियों के अनुसार, सेप्टी टैंक बनाने का काम चल रहा था। इसी दौरान श्रीलाल मंडल सबसे पहले टैंक के अंदर काम करने के लिए उतरे थे। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और वे बेहोश हो गए। आशंका जताई जा रही है कि टैंक के अंदर जहरीली गैस भर गई थी या ऑक्सीजन की कमी हो गई थी। श्रीलाल मंडल को बचाने के लिए जय नंदन मंडल तुरंत टैंक के अंदर उतरे, लेकिन कुछ ही क्षण में वे भी बेहोश हो गए। इसके बाद तीसरे व्यक्ति के रूप में बमबखम मंडल नीचे गए, मगर वे भी बाहर नहीं लौट सके। एक के बाद एक तीन लोगों के अंदर जाने से हालात और भयावह हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चौथे व्यक्ति को रस्सी बांधकर नीचे उतारने की तैयारी की गई। हालांकि, जैसे ही उसे नीचे भेजने की कोशिश की गई, उसकी भी तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद ग्रामीणों ने आगे किसी को नीचे भेजने का जोखिम नहीं उठाया और प्रयास रोक दिए गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए टैंक की दीवार तोड़ने का फैसला किया। काफी मशक्कत के बाद तीन मजदूरों को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और अस्पताल ले जाने से पहले ही तीनों ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कदवा थाना सहित तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को देखते हुए पसडीवाली और आन प्रकाश और डीसीएलआर भी पटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

यूएस से मोहभंग! 40% भारतीय छोड़ना चाहते हैं अमेरिका

सर्वे में खुलासा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली एक सपना था- ‘अमेरिकन ड्रीम’, डॉलर की चमक, सिलिकॉन वैली की नौकरी, बड़ा घर, बड़ी गाड़ी। लाखों भारतीयों ने यह सपना देखा और अमेरिका पहुंचे लेकिन अब कार्नेगी एंडोमेंट का एक सर्वे आया है- जो कहता है कि ‘10 में से 4 इंडियन-अमेरिकन्स अमेरिका छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं। क्यों? क्या उनका सपना टूट गया है? और अगर वो जाएंगे तो जाएंगे कहाँ? कल तक जो लोग डॉलर में कमाने और सिलिकॉन वैली में बसने के सपने देखते थे, आज उनमें से हर चौथा शख्स अपना बेरिया-बिस्तर स्पेमेन के सोच रहा है। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस की 2026 की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। आखिर महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में ऐसा क्या हुआ कि 40% भारतीय अब वहीं से भागना चाहते हैं?

2026 का वो सर्वे जिसने हड़कंप मचा दिया

फरवरी और अप्रैल 2026 के बीच आए कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अब एक ‘टर्बुलेंस’ यानी अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। सर्वे के मुताबिक, करीब 40% भारतीय अमेरिकी अब अमेरिका छोड़ने के बारे में गंभीरता से विचार कर रहे हैं। यह कोई छोटी संख्या नहीं है। यह उस समुदाय की बात हो रही है जो अमेरिका की कुल आबादी का महज 1.5% होने के बावजूद वहां के टैक्स बेस में 6% का योगदान देता है लेकिन आज ये ‘सबसे कामयाब माइनॉरिटी’ खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है।

डेमोक्रेटिक पार्टी से

टूटता भरोसा

दिलचस्प बात यह है कि भारतीय अब डेमोक्रेटिक पार्टी के ‘पक्के’ वोटर भी नहीं रहे। 2020 में जहां 52% भारतीय खुद को डेमोक्रेट मानते थे, आज वह गिरकर 46% रह गया है। रिपब्लिकन पार्टी भी उन्हें अपनी तरफ नहीं खींच पा रही है, जो 19% पर स्थिर है। इसका नतीजा यह है कि 30% भारतीय अब ‘इंडिपेंडेंट’ या निर्दलीय विचारधारा की तरफ झुक रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय समुदाय अब किसी पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि अपनी ‘रोटी-बैटी’ और ‘सुरक्षा’ के आधार पर फैसला ले रहा है।

इमिग्रेशन का अंतहीन जाल और ग्रीन कार्ड का इंतज़ार

अगर आप एक भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, तो अमेरिका में ग्रीन कार्ड पाना अब एक ‘लाइफ़-सेटर्स’ जैसा है। कुछ रिपोर्टर्स के मुताबिक, भारतीयों के लिए ग्रीन कार्ड का वेंटीया प्रोसेड्यूर 30 से 40 साल तक पहुंच गया है। H-1B वीजा की अनिश्चितता और हर कदम पर इमिग्रेशन कामगजों का डर परिवार को बसने नहीं देता। वाशिंगटन के पॉलिसी एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका का ‘ब्रोकन इमिग्रेशन सिस्टम’ सबसे बड़ी वजह है जो टैलेन्टेड भारतीयों को कनाडा या ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेल रहा है।

महंगाई, सुरक्षा और भेदभाव का त्रिकोण

एक वजह ये भी है कि अमेरिका अब सस्ता नहीं रहा। घर की बढ़ती कीमतें, बच्चों की पढ़ाई, चाइल्ड केयर और हेल्थकेयर के भारी-भरकम बिल ने मध्यमवर्गीय भारतीयों की कमर तोड़ दी है। इसके ऊपर से ‘स्टे फ्राइम’ और भेदभाव की चिंगाएं। हालांकि 2020 के बाद से प्रत्यक्ष हिंसा में भारी उछाल नहीं आया है लेकिन ऑनलाइन और ऑफिसों में ‘बेइडिड भेदभाव’ में बढ़ोतरी हुई है। 2026 के सर्वे में कई भारतीयों ने कहा कि वो अब खुद को वहां पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं करते, जैसा वो एक दशक पहले करते थे।

सीजफायर बढ़ाकर ट्रंप ने चला नया दांव

ईरान के खिलाफ चलाया आर्थिक हथियार

हिंदमाता नेटवर्क @वाशिंगटन अमेरिका का ऑपरेशन एपिक फ्यूरी अब इकोनॉमिक फ्यूरी में तब्दील होता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के साथ युद्धविराम बढ़ाने को जहां तनाव कम करने के कदम के रूप में देखा गया। वहीं कुछ ही देर बाद अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की एक पोस्ट ने इस फैसले के पीछे की असली वजह साफ कर दी। रिपोर्ट के अनुसार ईरानी की नाकेबंदी जारी रखते हुए ट्रंप ईरान को खार्ग आइलैंड पर अपने तेल उत्पादन को बंद करने के लिए मजबूर करना चाहते हैं, जिससे उसकी मुख्य आय पर सीधा असर पड़ेगा। ईरान के लिए यह नुकसान काफ़ी बड़ा हो सकता है। यह कदम दिखाता है कि ईरान पर दबाव बनाने के लिए ट्रंप की रणनीति बदल रही है और यह सिर्फ TACO (ट्रंप हमेशा डरकर पीछे हट जाते हैं।) वाला मामला नहीं है। ट्रंप की टीम जानती है कि एक महीने की बमबारी और धमकियों से ईरान को भी चेतावनी का सकारात्मक बहुत सारे बम गिरने की रोकथाम देने के बावजूद उन्होंने युद्धविराम बढ़ाया लेकिन नाकेबंदी नहीं हटाई। ईरान ने स्पष्ट रूप से कहा था कि पाकिस्तान में नई वार्ता से पहले नाकेबंदी हटाई जानी चाहिए, जहां पाकिस्तान मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

ट्रंप ने युद्धविराम क्यों बढ़ाया

इस रणनीति को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के एक पोस्ट में स्पष्ट किया गया है। होर्मुज की नाकेबंदी ने ईरानी तेल जहाजों की आवाजाही रोक दी है। अगर ईरान तेल निर्यात नहीं कर पाता, तो खार्ग आइलैंड पर उसका भंडारण कुछ ही दिनों में भर जाएगा। जैसे ही स्टोरेज की जगह खत्म होगी, ईरान को उत्पादन बंद करना पड़ेगा, जो उसकी आय पर सीधा हमला होगा। बेसेंट ने कहा कि कुछ ही दिनों में खार्ग द्वीप की स्टोरेज भर जाएगी और नाजुक ईरानी तेल कुओं को बंद करना पड़ेगा। समुद्री व्यापार पर रोक सीधे शासन की मुख्य आय पर प्रहार है।

तेल उत्पादन बंद होने का खतरा

अगर स्टोरेज टैंक भर गए, तो ईरान को उत्पादन रोकना पड़ेगा, जिससे उसके पुराने तेल कुओं को लंबे समय तक नुकसान हो सकता है। तेल कुएं बंद करना आसान नहीं होता। इससे दबाव कम हो जाता है, पानी अंदर जा सकता है और चट्टानों की संरचना स्थायी रूप से खराब हो सकती है। भारी कच्चा तेल जमकर पड़पड़ाना को जाम कर सकता है।

ईरान ने पाकिस्तान से घुसे दर्जनों आतंकियों को मार गिराया

सिस्तान बॉर्डर पर जबरदस्त टैंशन

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान ईरान ने पाकिस्तान बॉर्डर से घुसे दर्जनों आतंकवादियों को मार गिराया है। ये घटना तब हुई है जब पाकिस्तान ईरान वार्ता की मेजबानी के लिए तैयार है। इस घटना से दोनों देशों के बीच अचानक से तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार ईरानी सुरक्षा बलों ने जैश अल-अदल आतंकवादी समूह की एक ऑपरेशनल टीम को तबाह कर दिया। ये घटना तब हुई जब आतंकी पाकिस्तान सीमा से रासक क्षेत्र में घुसपैठ कर रहे थे। ईरान की इस कार्रवाई में कई आतंकवादी मारे गए। ये घटना ईरान के सिस्तान-बलोचिस्तान प्रांत में हुई है। ईरान की सरकार मीडिया ‘तस्नीम’ की रिपोर्ट के अनुसार ईरानी सुरक्षा बलों ने ‘जैश अल-अदल’ के कई आतंकियों को मार गिराया। ये आतंकी पाकिस्तान से सीमा पार करके ईरान के सिस्तान-बलोचिस्तान प्रांत के ‘रासक’ इलाके में घुस आए थे। ऑपरेशन

के बाद ईरानी सेना ने जैश अल-अदल के आतंकियों से बड़ी मात्रा में हथियार जब्त किया है। ईरानी सेना के इस ऑपरेशन की ज्यादा जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। जैश अल-अदल एक बलूच सुन्नी आतंकी संगठन है, जो 2012 से ईरान-पाकिस्तान की खुली सीमा पर सक्रिय है। यह संगठन ईरानी पुलिस और IIRC के ठिकानों पर हमले करने के लिए जाना जाता है। रासक इलाके में इस संगठन के साथ सुरक्षा बलों की कई बार झड़पें हो चुकी हैं, जिनमें 2024 में हुई झड़पें भी शामिल हैं। अरबी में ‘जैश अल-अदल’ का मतलब ‘आमी ऑफ जस्टिस’ होता है। जैश अल-अदल की स्थापना लगभग 2012 में हुई थी, यह पहले से सक्रिय रहे आतंकी संगठन Jundallah के कमजोर पड़ने के बाद उसकी ही सदस्यों से बना माना जाता है।

हिंदमाता एंकर

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, “ईरानी सरकार इस वक्त गंभीर रूप से बिखरी हुई है जो अप्रत्याशित नहीं है

ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ाया सीजफायर, होर्मुज पर जारी रहेगी नाकाबंदी; तेहरान बोला- ये चाल है

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम (सीजफायर) को बढ़ाने की घोषणा की है। ट्रंप ने यह कदम ईरान को बातचीत के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय देने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बात की जानकारी ट्रंप ने अपने आधिकारिक ट्विटर सोशल पर दी। उन्होंने कहा है कि यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोधों के बाद लिया गया। उन्होंने कहा कि ईरान की सरकार “गंभीर रूप से विभाजित” प्रतीत होती है और उसे स्पष्ट रुख अपनाने के लिए समय चाहिए।

ईरान को प्रस्ताव तैयार का दिया समय

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, “ईरानी सरकार इस वक्त गंभीर रूप से बिखरी हुई है जो अप्रत्याशित नहीं है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अनुरोध पर, हमसे ईरान पर हमला रोकने को कहा गया है, ताकि उनके नेता और प्रतिनिधि एक एकीकृत प्रस्ताव तैयार कर सकें।”



होर्मुज पर जारी रहेगी नाकाबंदी

राष्ट्रपति ने आगे लिखा ‘इसलिए मैंने अपनी सेना को नाकाबंदी (ब्लॉक) जारी रखने और अन्य सभी मामलों में तैयार और सक्षम रहने का निर्देश दिया है। और इसलिए युद्धविराम को तब तक बढ़ाया जाएगा जब तक कि उनका प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया जाता और बातचीत किसी भी तरह से समाप्त नहीं हो जाती।’

दोनों देशों के बीच तनाव जारी

इस महीने की शुरुआत में कूटनीतिक बातचीत को मोका देने के लिए यह सीजफायर लागू किया गया था। हालांकि दोनों देशों के बीच भरोसे की कमी के चलते यह समझौता अभी भी नाजुक हालात में है और किसी भी समय तनाव बढ़ सकता है।

जेडी वेंस का पाकिस्तान दौरा टला

इसी बीच, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पाकिस्तान दौरा भी फिनाल टाल दिया गया है। यह दौरा ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत के लिए प्रस्तावित था, लेकिन तेहरान की ओर से अमेरिकी प्रस्तावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया।

हमारे सारे पड़ोसी ठीक, सिर्फ एक गड़बड़

जर्मनी में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर साधा निशाना

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमारे सभी पड़ोसी ठीक हैं, सिर्फ एक गड़बड़ है। पहलगाम हमले की पहली बरसी के दिन सिंह ने कहा कि ऑपरेश सिंदूर में जो कमाल हुआ वो बताने की जरूरत नहीं है। हमारी मिलिट्री पावर मजबूत हुई है। भारत ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया। किसी पड़ोसी ने छेड़खानी करने की कोशिश की तो उसे छोड़ेंगे नहीं। बर्लिन में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मैं 7-8 बार यूनाइटेड स्टेट्स जा चुका हूं। असल में, जब से ट्रंप प्रेसिडेंट बने हैं। मैं दो बार अमेरिका जा चुका हूं। यह जर्मनी का मेरा पहला दौरा है। यहां रहने वाले लोग भारत और जर्मनी के बीच ब्रिज हैं। आपकी साख बढ़ेगी तो भारत की साख बढ़ेगी। भारत और जर्मनी का रिश्ता सिर्फ डेमोक्रेसी तक सीमित नहीं है।

भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा

राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा। विदेश में भारत की साख बढ़ी है। लोकतंत्र के प्रति हमारा कमिटमेंट है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा तीसरा स्टार्ट अप सिस्टम बनेगा। महिलाओं को भारत में 33 फीसदी आरक्षण मिला। सिंह ने कहा कि जब ऑडियंस हंसी है, तो वह कहते हैं कि मुझे आपकी हंसी का कारण समझ नहीं आ रहा। वहीं, जहां तक मेरी बात है, मैं तो बस आप सभी को यहां देखकर खुश होकर मुस्कुरा रहा हूं। हालांकि, जहां तक जर्मनी की बात है। इंटरनेशनल कम्युनिटी में इसकी एक अलग इज्जत और क्रेडिबिलिटी है। जहां जर्मनी के मूल निवासियों ने बेशक इस सफलता में अहम योगदान दिया है। वहीं इंडियन डायस्पोरा ने भी इसमें योगदान दिया है। यह सच्चाई ऐसी है जिसे कोई नकार नहीं सकता।

भारतीय समुदाय के लोगों से की मुलाकात

राजनाथ सिंह ने जर्मनी दौरे के पहले दिन बर्लिन में भारतीय समुदाय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जर्मनी में रह रहे करीब 3 लाख भारतीयों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच सबसे मजबूत पुल है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जर्मनी में बसे भारतीय बिजनेस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, शिक्षा और कला जैसे कई क्षेत्रों में अहम योगदान दे रहे हैं, जिससे भारत और जर्मनी के रिश्ते और मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान काफ़ी मजबूत हुई है। पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बात को उतना महत्व नहीं मिलता था, लेकिन आज पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है। रक्षा मंत्री ने भारतीय समुदाय से अपील की कि वे दुनिया भर में भारत का नजरिया मजबूती से रखें और आर्थिक संबंधों को और गहरा करने में भूमिका निभाएं। उन्होंने बताया कि साल 2026 भारत और जर्मनी के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का प्रतीक है, जो विश्वास, आपसी सम्मान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से अपनी जड़ों से जुड़े रहें हुए इन रिश्तों को और मजबूत करने का आह्वान किया।

राजनाथ जर्मनी की 3 दिवसीय यात्रा पर

राजनाथ सिंह जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके इस दौर का उद्देश्य द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक रूपरेखा को अंतिम रूप देना है। बर्लिन में सिंह अपने जर्मन समकक्ष बेरिस पिस्टोरियस और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत की। रक्षा मंत्री की यह यात्रा सात साल के अंतराल के बाद हुई है। इससे पहले फरवरी 2019 में निर्मला सीतारमण ने रक्षा मंत्री के रूप में जर्मनी का दौरा किया था।

होर्मुज में धोखे में फंस गए थे भारतीय जहाज?

आखिर क्यों ईरान ने चला दी थी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली होर्मुज स्ट्रेट में पिछले हफ्ते ईरान ने जिस भारतीय जहाज पर गोलीबारी की, क्या वो किसी क्रिप्टो ठगी का शिकार हुआ था? फर्जी ‘क्लीयरेंस’ संदेशों की खबरों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जहाज को लधा था कि उसे गुजरने की इजाजत मिल चुकी है और इसी वजह से वो अचानक हमले का शिकार बन गया। इसे समझने के लिए हमें कड़ी से कड़ी को जोड़नी पड़ेगी। शनिवार को भारतीय व्यापारी जहाज सैनमार हेराल्ड पर होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश के दौरान भारी गोलीबारी हुई। हमले के बीच जहाज के कप्तान ने ईरानी अधिकारियों को घबराहट में रेंडियो संदेश भेजा। ऑडियो में कप्तान कहते सुने गए: ‘सेपाह नेवी! सेपाह नेवी! यह मोटर टैंकर सैनमार हेराल्ड है! आपने मुझे जाने की अनुमति दी थी! आपकी लिस्ट में मेरा नाम दूसरे नंबर पर है! आपने मुझे जाने की अनुमति दी थी! अब आप गोलीबारी कर रहे हैं! मुझे वापस मुड़ने दीजिए!’ अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर सैनमार हेराल्ड को होर्मुज से गुजरने की अनुमति दी गई थी, तो फिर उस पर हमला क्यों हुआ?

होर्मुज में ईरान ने कैसे लिया बदला?

मरीन ट्रैफिक के मुताबिक इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने होर्मुज में ईरानी सरकार ने उसे अपने कंट्रोल में ले लिया है। इसमें एक जहाज पर लाइबरिया और एक पर पनामा का झंडा लगा था। ईरान का कहना है कि इन जहाजों ने होर्मुज में नियमों का उल्लंघन किया, जिसके कारण यह कार्रवाई हुई है। ईरानी मीडिया का कहना है कि ग्रीक के एक जहाज पर भी हमला किया गया है, लेकिन यह तय नहीं है कि इसे अभी जब्त किया गया है या नहीं।

ईरान ने सीजफायर बढ़ाने पर क्या कहा

वहीं, ईरान ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ वार्ता फिर से शुरू करेगा या नहीं। इस बीच ईरान के संसद अध्यक्ष के सलाहकार ट्रंप के सीजफायर बढ़ाए जाने पर तैयी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप द्वारा सीजफायर का विस्तार निश्चित रूप से अचानक हमले के लिए और समय लेने की एक सोची-समझी रणनीति है। बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रहने पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नाकाबंदी जारी रखना बमबारी से कम नहीं है और इसका सैन्य जवाब दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप द्वारा सीजफायर का विस्तार व्यर्थ है, हासने वाला पक्ष शर्तें नहीं थोप सकता। ईरान ने ये भी कहा कि ट्रंप का सीजफायर एक चाल है। ट्रंप का ये फैसला ऐसे समय में आया है जब फरवरी के आखिर में शुरू हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद पाकिस्तान की मध्यस्थता से 8 अप्रैल को दो हफ्ते का सीजफायर लागू हुआ था। ये सीजफायर 22 अप्रैल को खत्म हो रहा था। वहीं पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रस्तावित शांति वार्ता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

बिजनेस वर्ल्ड

50 दिन के युद्ध में करीब 50 अरब डॉलर मूल्य के तेल का नुकसान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे चले युद्ध में अब भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन युद्ध के दिनों में तेल का बड़ा नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 50 दिन के युद्ध में करीब 50 अरब डॉलर (करीब 4.6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) मूल्य के तेल का नुकसान हुआ है, जिसका इस जंग के चलते प्रोडक्शन नहीं हो सका। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, तेल के इस संकट का असर आने वाले महीनों में या फिर सालों तक महसूस किया जा सकता है। मिडिल ईस्ट युद्ध की शुरुआत बीते फरवरी महीने के अंत में हुई थी। 28 फरवरी को पहली बार अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर स्ट्राइक की थी और उसके बाद ईरान के पलटवार ने भीषण जंग का रूप ले लिया और ये लगभग 50 दिनों तक चला, जिसके बाद बीते दो हफ्तों से सीजफायर चल रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मिडिल ईस्ट संकट शुरू होने के बाद से केप्लर के डेटा पर नजर डालें, तो ग्लोबल मार्केट से 500 मिलियन बैरल से ज्यादा कच्चा तेल बहर हो गया है। तेल उत्पादन में आई ये कमी मॉडर्न हिस्ट्री में एनर्जी सलार्ई में सबसे बड़ी रुकावट बनकर सामने आई है। विश्वेलको ने चेतावनी दी है कि युद्ध के चलते क्षतिग्रस्त हुए इंधनस्ट्रक्चर और उप पंप प्रोडक्शन को ठीक होने में समय लगेगा और इसका असर लंबे समय तक देखने को मिल सकता है। आकड़ों के जरिए रिपोर्ट में बताया गया है कि मिडिल ईस्ट संकट के चरम पर कच्चे तेल का उत्पादन में रुकावट लगभग 12 मिलियन बैरल प्रति दिन तक पहुंच गई थी, जबकि वैश्विक तेल भंडार पहले ही प्रभावित हैं। वैश्विक अनुसंधान और परामर्श फर्म वुड मैकेनी के एनालिटिक्स को मानें, तो 500 मिलियन बैरल तेल का मतलब है कि पूरी दुनिया को 5 दिन तक तेल नहीं मिलेगा। या फिर दुनिया भर में 10 सप्ताह के लिए एंथ्रैषन इंडस्ट्री टप रहेगी। या दुनिया के किसी भी देश में 11 दिनों तक सड़क यातायात बंद रहेगी। रॉयटर्स का कहना है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान 50 दिनों में जितने तेल का नुकसान हुआ है, वो दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी अमेरिका की एक महीने में खपत के कच्चे तेल के बराबर है। रही नहीं फाइनेशियल इंडर 2021 से लगभग 80 मिलियन बैरल के सालाना इस्तेमाल के आधार पर देखें, तो अमेरिकी मिलिट्री के लिए इरान तेल लगभग छह साल के पेट्रुल की खपत के बराबर पहुंचता है। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम होने के शुरुआती संकेत तो मिले हैं, जिनमें सीजफायर शामिल है। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनातनी दोनों देशों के बीच जारी है। ऐसे में पूर्ण रूप से स्थिति सामान्य होने में अभी काफ़ी समय लगेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध के दौरान किए गए हमलों में क्षतिग्रस्त तेल क्षेत्रों और फाइनिंग इंधन को सामान्य ऑपरेशन में लौटने में महीनों या यहां तक कि सालों लग सकते हैं।

युद्ध की वजह से खूब बिक रहे हैं कंडोम, कंपनी ने कहा- होर्मुज ने बिगाड़ा खेल, कीमत भी 30% बढ़ाई

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी की वजह से अब कंडोम के दाम बढ़ने वाले हैं। दरअसल, दुनिया की सबसे बड़ी कंडोम बनाने वाली कंपनी कारेक्स ने कीमतों में 30 फीसदी या उससे भी अधिक बढ़ोतरी की घोषणा की है। कारेक्स कंपनी का कहना है कि युद्ध की वजह से कंडोम बनाने लागत बढ़ गए हैं। अब दाम बढ़ाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। मलेशिया स्थित कंपनी कारेक्स के सीईओ को मिया कियारा ने बताया कि होर्मुज में सैन्य नाकेबंदी और तनाव के कारण कच्चे माल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। कंडोम बनाने के लिए जरूरी अभियांत्रिकी और सिलिकॉन-आधारित लुब्रिकेंट्स जैसे पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की भारी कमी हो गई है, क्योंकि दुनिया का लगभग 5वां हिस्सा कच्चा तेल और एलएनजी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते से ही गुजरता है। कंपनी की मानें तो इस वैश्विक अनिश्चितता भरे माहौल में कंडोम की मांग में 30% तक का उछाल आया है।

कारेक्स के सीईओ का कहना है कि जब युद्ध जैसी स्थिति हो, नौकरियां खतर में हो, तो फिर लोग वित्तित होकर परिवार नियोजन पर अधिक ध्यान देते हैं। ऐसे समय में कच्चा माल का सलाई बाधित से कंपनी की चुनौती दोगुनी बढ़ गई है। बता दें, कारेक्स कंपनी हर साल करीब 5 बिलियन से अधिक कंडोम का बनती है, यह Durex और Trojan जैसे ब्रांडों के साथ-साथ यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (NHS) को भी आपूर्ति करती है। कीमतों में इस बढ़ोतरी का सीधा असर दुनिया भर के उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि खाड़ी देशों में शिपमेंट रुकने से केवल कंडोम ही नहीं, बल्कि अन्य उत्पाद भी महंगे हो रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इकोनॉमी वलास के टिकटों में औसतन 24% की बढ़ोतरी हुई है। पहलवान लागत बढ़ने से चीनी, डेअरी प्रोडक्ट और फलों की कीमतों में बढ़ोतरी की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा विप उद्योग भी संकट में है, हीलियम की कमी से कंप्यूटर चिप्स का प्रोडक्शन प्रभावित हो रहा है।

फाईडेबिलिटी साईंसेज बोस्टन में इनोविजन

‘26 की मेजबानी करेगा हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

फाईडेबिलिटी साईंसेज ने आज अपने प्रमुख एंटरप्राइज एआई समिट और ग्लोबल एआई अवॉर्ड्स, इनोविजन ‘26, की घोषणा की, जो 30 अप्रैल, 2026 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में आयोजित होगा। यह इस आयोजन का अमेरिका में पहला संस्करण होगा। केवल आभ्रमण-आधारित यह विशेष आयोजन उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया के वरिष्ठ एंटरप्राइज नेताओं को एक दिन के सुविचारित नेतृत्व संवाद, एलाइड एआई रणनीतियों और सहकर्मी सम्मान के लिए एक साथ लाएगा, जिसका केंद्र एक महत्वपूर्ण प्रश्न होगा: जटिल, वास्तविक दुनिया के एंटरप्राइज के भीतर एआई को वास्तव में कामयाब कैसे बनाया जाए? आज अधिकांश एंटरप्राइज नेताओं को यह समझना की आवश्यकता नहीं रह गई है कि एआई महत्वपूर्ण है। बहरस अब आगे बढ़ चुकी है। अब चुनौती है क्रियान्वयन की: एआई को बड़े पैमाने पर कैसे लागू किया जाए, विभिन्न कार्यों में इसे कैसे औद्योगिक रूप दिया जाए, और प्रभावशाली पार्यटन प्रोग्राम्स से आगे बढ़ाकर इसे पाण्वीय व्यावसायिक परिणामों में कैसे बदला जाए, जो कभी वास्तविक उत्पादन पैमाने पर पहुंच ही नहीं पाते। यही यह खार्ड है जिसे इनोविजन ‘26 पारने के लिए बनाया गया है। यह जानरुकता की खार्ड नहीं है। यह तकनीक की खार्ड भी नहीं है। यह है क्रियान्वयन की खार्ड — वही स्थान जहाँ अधिकांश एंटरप्राइज एआई निवेश ठहर जाते हैं, और जहाँ आज यह तय हो रहा है कि कौन नेता बनेगा और कौन पीछे रह जाएगा। फाईडेबिलिटी साईंसेज के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद महरकर ने कहा कि “आज व्यवसाय सामान्य परिवर्तन का सामना नहीं कर रहे हैं। वे ऐसे व्यवधान से जूझ रहे हैं जो संरचनात्मक हैं, स्तंभ हैं, और कठोर हैं। असली बिभाजन अब उन लोगों के बीच नहीं है जो जानते हैं कि एआई महत्वपूर्ण है और जो नहीं जानते। असली अंतर उन लोगों के बीच है जो एआई के बारे में सिर्फ बात करते हैं और जो उसे अपने सोचने, निर्णय लेने, संवाचन करने और नेतृत्व करने के तरीके का हिस्सा बना चुके हैं।

ईरान-इजरायल वॉर के बीच किचन को राहत! इंडक्शन चूल्हे पर सरकार बना रही मास्टर प्लान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सरकार घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और पश्चिम एशिया संकट के बीच कीमतों में वृद्धि से निपटने के लिए इंडक्शन चूल्हे के महत्वपूर्ण उपकरणों पर सीमा शुल्क में कटौती करने पर विचार कर रही है। एक अधिकांश ने बताया कि कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

मिनिस्ट्री ने इन चूल्हे को और अधिक किफायती बनाने के लिए इन पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की सिफारिश भी की है। पश्चिम एशिया संकट ने होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही को बाधित कर दिया है, जिससे रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके चलते लोग इंडक्शन यानी इलेक्ट्रिक चूल्हे और इसके अनुकूल बर्तन खरीद रहे हैं। इंडक्शन कुकटॉप सेक्टर में डिमांड और सप्लाई की चुनौतियों से निपटने और सप्लाई एवं कीमतों को स्थिर करने के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने वॉर्पोजिब बिभाग और बिजली मंत्रालय के साथ मिलकर हिताधिकारों के साथ परामर्श किया है। सरकार ने इस चूल्हे के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें कुछ बिजली उपकरणों पर अनिवार्य वॉलंट्री कंट्रोल ऑर्डर (व्यूसीओ) के कार्यान्वयन की समय सीमा को छह महीने बढ़ाकर अक्टूबर 2026 तक करना शामिल है। अनिवार्य ऊर्जा दक्षता समय सीमा को भी आगे बढ़ाया गया है। डीपीआईआईटी की संयुक्त सचिव निधि केसरवानी ने कहा कि पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीएफएसओ) ने मौजूदा संकट के बीच इंधन और गैस की निधि उपलब्धता को निश्चित करने के लिए कई सुधारकाम और सुरक्षा उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि कोरस प्राकृतिक गैस (यूएनजी) और कोरस बायोगैस (सीबीजी) स्टेशनों के सभी लॉन्च आंदोलनों का तेजी से निपटारा किया जा रहा है। इसमें 25 मार्च से 21 अप्रैल के बीच कोरस नेतुरत गैस और कोरस बायोगैस इंडस्ट्री स्टेशनों के लिए आपरस 467 अप्रैल का निपटारा करना शामिल है। उन्होंने बताया कि 467 मामलों में से 157 मामलों में अंतिम लाइसेंस दिए गए और 38 मामलों में नए CNG/CBG डिस्पेंसिंग स्टेशनों के निर्माण के लिए पहले से मंजूरी दी गई।

अनुपम खेर ने किए महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन



राणा दग्गुबाती के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार?

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के निर्देशक चंदू मोडेती होंगे।

मेकर्स देंगे सरप्राइज

123 तेलुगु के मुताबिक राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

धर्मा प्रोडक्शंस कर रहा सपोर्ट

इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जोहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहिलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं।

राणा दग्गुबाती का वर्कफ्रंट

खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।



एटली के साथ एक बड़ी फ्रेंचाइजी में नजर आएंगे शाहरुख खान?

शाहरुख खान इन दिनों अपनी मच अवेटेड एक्शन फिल्म किंग की तैयारी में जुटे हैं। ये मूवी उनके लिए और भी स्पेशल इसलिए भी है क्योंकि इस फिल्म के जरिए उनकी बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाली हैं। वहीं अब शाहरुख के फैस के लिए एक और गुड़ न्यूज आ रही है। खबर है कि एक्टर अपने एक और बड़ी फ्रेंचाइज के विस्तार की तैयारी में जुट गए हैं। शाहरुख की एक बड़ी ब्लॉकबस्टर के सीक्वल को लेकर खबर आ रही है। जानकारी के अनुसार बहुत जल्द एक्टर जवान 2 की तैयारी में जुट जाएंगे।

एटली हैं फिल्म के निर्देशक

जवान को एटली ने डायरेक्ट किया था और शाहरुख खान के साथ इसमें नयनतारा मुख्य भूमिकाओं में थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म के अंत में सीक्वल का संकेत दिया गया था और अब लग रहा है इस पर काम शुरू हो चुका है। किंग के बाद शाहरुख खान एटली के साथ 'जवान 2' में काम करेंगे। एक सूत्र ने पोर्टल को बताया कि 'जवान 2' की स्क्रिप्ट और आइडिया पर काफी समय से काम चल रहा था। कुछ हफ्ते पहले स्क्रिप्टिंग खत्म की गई है। किंग की शूटिंग पूरी करने के बाद शाहरुख खान इस फिल्म पर काम शुरू करेंगे।

विजय सेतुपति को किया जाएगा रिप्लेस?

जवान फिल्म में साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति ने खलनायक की भूमिका निभाई थी। जानकारी के अनुसार, निर्माता पार्ट 2 में खलनायक के रूप में एक और ए-लिस्ट साउथ इंडियन एक्टर को लेने का प्लान कर रहे हैं। 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'जवान' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म ने भारत में 640.25 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया और दुनियाभर में इसका कुल कलेक्शन 1,160 करोड़ रुपए रहा।

अनुपम खेर ने उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए, जिसकी खास झलक अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर डायर की है। इसी के साथ अनुपम ने बताया कि महादेव के दर्शन करके उन्हें अद्भुत और दिव्य अनुभव का एहसास हुआ है।

अनुपम खेर ने शेरय किया वीडियो

अनुपम खेर ने उज्जैन के प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल के दर्शन किए। दर्शन करने के बाद उन्होंने ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मंदिर से अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। इन तस्वीरों में अनुपम पारंपरिक कपड़ों में हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिख रहे हैं। इसके साथ ही अनुपम ने एक खास पोस्ट भी शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने सिर्फ अपनी भक्ति नहीं की, बल्कि अपने सभी फॉलोअर्स के कल्याण के लिए भी प्रार्थना की।

अनुपम ने लिखा खास नोट

अनुपम खेर ने इन वीडियो और तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा कि मैं उज्जैन में महाकाल मंदिर पहुंचा। दर्शन किए और आप सभी के लिए भी प्रार्थना की। यहां आना कितना अद्भुत और दिव्य अनुभव है। आज मेरी आत्मा को एक अनोखी शांति और शक्ति महसूस हुई। भारत में ऐसे पवित्र और प्राचीन धार्मिक स्थल हैं, जिन पर यकीन करना मुश्किल है। अनुपम ने आगे लिखा कि हर हर महादेव, हर हर महाकाल। महाकालेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित है। यह भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगे अनुपम

फिल्मों की बात करें तो अनुपम खेर जल्द ही 'खोसला का घोसला 2' में नजर आएंगे। यह 2006 की हिट फिल्म 'खोसला का घोसला' का सीक्वल है। इसके अलावा वह प्रभास के साथ 'फौजी' नाम की फिल्म में भी काम कर रहे हैं।

पलक तिवारी की बोल्ड अदाएं

बॉलीवुड की उभरती हुई एक्ट्रेस पलक तिवारी अपनी बोल्डनेस और स्टाइल को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। 25 साल की पलक का इंस्टा अकाउंट अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से भरा हुआ है। इस बार पलक ने रेड कलर की फेडर मिनी ड्रेस में अपनी कालिलाना तस्वीरें डायर की है, जिन्हें देखकर फैस की धड़कनें तेज हो गई हैं।

■ तस्वीरों में पलक तिवारी शॉर्ट टयूब-स्टाइल रेड फेडर ड्रेस पहने दिख रही हैं। इस ड्रेस का टेक्सचर काफी यूनिक है, जिसमें लगे फेदर्स उन्हें एक डीमी और लमजरियस लुक दे रहे हैं। यह आउटफिट पलक के टॉन्ड लेग्स और फिट बॉडी को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट कर रहा है। साथ में उन्होंने डार्क मैरून रंग का एक सैटिन ओवरले कैरी किया है, जो उनके लुक में रॉयल टच जोड़ रहा है।

■ पलक ने मोनोक्रोमेटिक पिंक-रेड टोन मेकअप, स्मोकी आईज और खुले मेसी बालों के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। हवा में लहराते उनके बाल एक वाइल्ड और सिल्विटव एलिमेंट जोड़ रहे हैं। पलक कभी पारदर्शी सफेद पर्दे के पीछे से अपनी झलक दिखा रही हैं, तो कभी जमीन पर बैठकर अपने सेक्सी अंदाज से इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं। उनकी हर अदा में एक ग्रेस और बोल्डनेस का मिश्रण नजर आ रहा है। फैस पलक की इन तस्वीरों पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। उनके इस लुक को 'फायर' और 'हॉट' जैसे कमेंट्स मिल रहे हैं। पलक की इन तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं।



शरवरी ने 'ये प्रेम मोल लिया' को बताया खास

2022 की फिल्म 'ऊंचाई' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है 'ये प्रेम मोल लिया'। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी बाघ बेहद खुश हैं और उन्होंने फिल्म के निर्देशक सूरज बड़जात्या के लिए कुछ खास लिखा है।

कैसी होगी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया'

मेकर्स ने 21 अप्रैल को फिल्म का नाम 'ये प्रेम मोल लिया' और रिलीज डेट बताई है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार 'प्रेम' को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी बाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है।

शरवरी का खास पोस्ट

शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि 'ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह साफर और भी खुबसूरत बन गया है। शरवरी ने आगे लिखा कि 27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएंगे।

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ उतरेंगे धोनी? नेट पर बहाया जमकर पसीना

आईपीएल 2026 में अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीमें गुरुवार को मुंबई में आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनों टीमों के पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी को संभावित वापसी पर नजर रहेगी। माही वानखेड़े ने नेट में जमकर बल्लेबाजी का अभ्यास करते देखे गए हैं। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला है। दोनों टीमों लय हासिल करने और अपने खेल में निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी। रोहित शर्मा (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में स्विंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरेगा।

रोहित ने नहीं किया अभ्यास, धोनी ने बहाया पसीना

रोहित शर्मा ने मंगलवार को वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया लेकिन वर्तमान टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं खेलने वाले धोनी ने जमकर अभ्यास किया। इससे उनकी इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वापसी की संभावना बन गई है। इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि अब तक पांच-पांच खिलाट जीतने वाली यह दोनों टीम कई समस्याओं से जूझ रही हैं।

मुंबई इंडियंस के लिए सूर्या और पांड्या की खराब फॉर्म चिंता की बात

अहमदाबाद में तिलक वर्मा के शानदार प्रदर्शन ने मुंबई इंडियंस को लगातार चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ने में मदद की, लेकिन उसके लिए अब भी राह आसान नहीं है। मुंबई के लिए सबसे बड़ी चिंता भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और इस फ्रेंचाइजी टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या के फॉर्म को लेकर बनी हुई है। सूर्यकुमार अभी तक केवल एक अर्धशतक ही बना पाए हैं जबकि हार्दिक जरूरत पड़ने पर पारी को संभालने या आखिर में तांबड़तोड़

बल्लेबाजी करने में नाकाम रहे हैं। टीम ने नमन धीर पर भरोसा जताया है और वह अब तक इस पर खरे उतरते हैं। जसप्रीत बुमराह आखिरकार पिछले मैच में विकेट लेने में सफल रहे जबकि अश्वनी कुमार के चार विकेट ने टीम की चिंताओं को कम किया क्योंकि ट्रेट बोल्ट, दीपक चाहर और हार्दिक में से कोई भी शुरू में लगातार सफलता नहीं दिला पाए थे। मुंबई इंडियंस के इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स टीम में शामिल हो गए हैं और उनकी वापसी से टीम को मानवबूती मिलेगी।

टीम इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पांड्या (कप्तान), विवेंद्रन डीकोक (विकेटकीपर), रयान रिक्लेटन (विकेटकीपर), रॉबिन मिज (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, दानिश मालेवार, शेरेफन रदरफोर्ड, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, कॉर्बिन बोश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटरन, शार्दूल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, कृष भगत, मयंक मारकडे, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रुरुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉक्सल, रामकृष्ण घोष, अशुल कंबोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल वाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजपती सिंह, मेट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जोनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।